RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, बुधवार ●17 जुलाई , 2024 वर्षः-12 अंक-80 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

गुजरात में चांदीपुरा वायरस से 6 बच्चों की मौत

डॉक्टर बोले- मच्छरों से बीमारी फैलती है, फीवर-फ्लू के बाद दिमाग में सूजन होती है

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में चांदीपुरा वायरस के चलते 5 दिन में 6 बच्चों की मौत हो गई है। गुजरात के स्वाथ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया कि अभी तक राज्य में 12 बच्चे इस वायरस से इन्फेक्टेड हैं। इस वायरस का इन्फेक्शन 9 साल से 14 साल के बच्चों को ही होता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्टरों ने बताया कि चांदीपुरा वायरस से बच्चों में फीवर और फ्लू जैसे लक्षण दिखते हैं। इसके बाद इन्सेफेलाइटिस यानी दिमाग में सूजन तक हो सकती है, जो बच्चों की मौत का कारण बन सकती है। यह वायरस मच्छर और मक्खियों से इंसानों में फैलता है।

ऋषिकेश ने बताया कि फिलहाल राज्य में 12 बच्चों में से 4 साबरकांठा, 3 अरावली, 1 महीसागर, 1 खेड़ा और 2 राजस्थान, 1 मध्य प्रदेश से हैं। हालांकि, इन सभी का इलाज गुजरात में अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है।

1966 में महाराष्ट्र के चांदीपुरा में हुई थी इस वायरस की पहचान

1966 में महाराष्ट्र के नागपुर स्थित चांदीपुरा गांव में चांदीपुरा वायरस की पहचान हुई थी। इसके बाद इस वायरस को वर्ष 2004-06 और 2019 में आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात में रिपोर्ट किया गया था। चांदीपुरा वायरस एक आरएनए वायरस है। यह वायरस सबसे अधिक मादा फ्लेबोटोमाइन मक्खी से ही फैलता है। मच्छर में एडीज ही इसके पीछे ज्यादातर जिम्मेदार है। 15 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा इसका शिकार होते हैं। उन्हीं में मृत्यु दर भी सबसे ज्यादा रहती है। चांदीपुरा के इलाज के लिए आज तक कोई एंटी वायरल दवा नहीं बनी है।

मस्तिष्क में सूजन आ जाती है, मौत तक हो जाती है- चांदीपुरा वायरस के संक्रमण के दौरान शरीर के माइक्रोगियल सेल्स में माइक्रो आरएनए-21 की संख्या बढ़ने लगती है। इससे कोशिकाओं में फोस्फेटेस और टेनसिन होमलोग (पीटीईएन) पदार्थ का सिक्रिशन कम हो जाता है। इससे इंसानों की माइक्रोग्लियल कोशिकाओं में न्यूक्लियर फैक्टर कापा लाइट-चैन-एनहांसर ऑफ एक्टिवेटिड बी सेल्स (एनएफ कप्पा बीपी 65) या साइटोकाइन्स की सक्रियता बढ़ जाती है। इससे मस्तिष्क में सूजन हो जाती है। इससे तेज बुखार, उल्टी, ऐंठन और कई मानसिक बीमारियां आ जाती हैं। इसके कारण मरीजों में इंसेफेलाइटिस के लक्षण भी दिखने लगते हैं और मरीज कोमा में चला जाता है।

संक्षिप्त समाचार

खजुराहो में पेड़ से टकराकर डिवाइडर से भिड़ी बोलेरो

बच्ची समेत 3 लोगों की मौत

खजुराहो (एजेंसी)। खजुराहो में एक बोलेरो पेड़ से टकराकर डिवाइडर से जा भिड़ी। हादसे में बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं 7 लोग घायल हैं। हादसा एयरपोर्ट रोड पर

मंगलवार दोपहर को हुआ। बोलेरो बमीठा की ओर जा रही थी। इसमें पान वाई रजक, सृष्टि रजक (12) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं आनंद रजक (19) की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं कंचन रजक (25) और अंश रजक (12) को गंभीर हालत में ग्वालियर रेफर किया गया है।

मध्यप्रदेश वॉटर स्पोर्ट्स में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की दिशा में प्रयासरत

भोपाल (एजेंसी)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि मध्यप्रदेश की वॉटर स्पोर्ट्स में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बन सके, इस दिशा में हम प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि भोपाल और मध्यप्रदेश में जहाँ नर्मदा माँ प्रभावित हो रही है, उन स्थानों पर वॉटर स्पोर्ट्स के उन्नयन के लिये बहुत कुछ किया जा सकता है। श्री सारंग ने इस उद्देश्य से मंगलवार को वोट क्लब, खानूगांव और नीलम पार्क स्थित वॉटर स्पोर्ट्स अकादमियों का निरीक्षण किया।

खिलाड़ियों की दक्षता और वॉटर बॉडिस के माध्यम से म.प्र. हो अग्रसर- मंत्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश में वॉटर स्पोर्ट्स में बहुत अच्छा काम किया है। मध्यप्रदेश को वॉटर स्पोर्ट्स में खिलाड़ियों की दक्षता और भोपाल की खूबसूरत वॉटर स्पोर्ट्स बॉडिस के माध्यम से उच्च स्तर तक ला सकते हैं।

मध्यप्रदेश में इसका और उन्नयन कर अग्रसर होने की दिशा में प्रयासरत है, जिससे वॉटर स्पोर्ट्स से जुड़े हुए सभी खेल मध्यप्रदेश में अच्छा स्थान प्राप्त कर सकें।

तमिलनाडु में एक और नेता की हत्या

- मदुरै में 'नाम तमिलर काची' पार्टी के डिप्टी सेक्रेटरी को मारा

नईदिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में 'नाम तमिलर काची' पार्टी के मदुरै नार्थ जिले के डिप्टी सेक्रेटरी बालासुब्रमण्यम की मंगलवार (16 जुलाई) को हत्या कर दी गई। कुछ ही दिन पहले चेन्नई में बहुजन समाज पार्टी के तमिलनाडु चीफ के. आर्मस्ट्रांग की हत्या हुई थी। मदुरै शहर के पुलिस कमिश्नर लोगनाथन ने बताया कि बालासुब्रमण्यम की मदुरै के बीबी कुलम इलाके में सुबह मॉर्निंग वॉक के समय हत्या हुई। उन्होंने आगे कहा कि हत्या के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। जांच चल रही है। जल्द ही एफआईआर दर्ज की जाएगी।

तत्परता से करें जन-समस्याओं का निराकरण : मुख्यमंत्री

- उज्जैन के विकास कार्यों की प्राथमिकता तय कर उनका क्रियान्वयन करें सुनिश्चित
- जन-सहभागिता को प्रोत्साहित कर सिंहस्थ के कार्यों को बढ़ाएं आगे
- रोजगार के अधिकतम अवसरों के सृजन के लिए लघु-कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित करें
- स्व-सहायता समूह को प्रदान किया 1 करोड़ 47 लाख की ऋण राशि का चेक
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में आयोजित जन-संवाद शिविर को किया वर्चुअली सम्बोधित
- मुख्यमंत्री ने वर्चुअली सुनी नागरिकों की समस्याएं

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए संकल्प के साथ विकास का क्रम निरंतर जारी है। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के ध्येय वाक्य को अंगीकार करते हुए हम सभी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी शासन की प्रमुख फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ धरातल तक पहुँचाएं। जन सामान्य की मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का निराकरण संवेदनशीलता और तत्परता से किया जाए। उन्होंने कहा कि जाति और निवास प्रमाण-पत्र बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के आस्था गार्डन में आयोजित जन संवाद शिविर को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

प्रदेश का गौरव है बाबा महाकाल की सवारी

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि उज्जैन में विकास कार्यों की प्राथमिकता तय करते हुए कार्यों को पूर्ण कराएं। एक जिला-एक उत्पाद अंतर्गत उज्जैन में चयनित बुटिक प्रिंट के साथ हैंडलूम, पॉवरलूम, लघु, कुटीर और फुटकर उद्योगों को भी समान रूप से बढ़ावा मिले, जिससे रोजगार के अधिक से अधिक अवसरों का सृजन हो सके। उन्होंने कहा कि उज्जैन में भगवान की मूर्तियां, वस्त्र और पूजन सामग्री बनाने का काम भी आरंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा महाकाल की सवारी उज्जैन ही नहीं पूरे प्रदेश का गौरव हैं। सवारी में जनजातीय जिले डिंडौरी, मंडला, बालाघाट आदि के नृत्य कलाकारों को भी शामिल किया जाए। बाबा महाकाल की सवारी में मंत्रीगण भी शामिल होंगे।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमला

कैप्टन समेत 5 जवान शहीद

कैप्टन बृजेश थापा की मां बोलीं- बेटे को सीमा पर नहीं भेजेंगे, तो देश के लिए कौन लड़ेगा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले के डेसा में आतंकियों की फायरिंग में सेना के कैप्टन समेत 4 जवान शहीद हो गए। एक पुलिसकर्मी की भी मौत हुई है। यानी कुल 5 लोगों की जान गई है। राष्ट्रीय रायफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस यहां सोमवार से ही सर्च ऑपरेशन चला रही थी।

सर्चिंग के दौरान आतंकी फायरिंग करते हुए भागे। घना जंगल होने की वजह से वे बच निकले। सोमवार रात 9 बजे के आसपास फिर गोलीबारी हुई। इसमें 5 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। शहीद हुए राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों में कैप्टन बृजेश थापा पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग के और सिपाही बृजेंद्र, सिपाही अजय राजस्थान के झुंझुनूं के रहने वाले थे। नायक डी राजेश की जानकारी सामने नहीं आई है।

साहसी भारतीय सेना के जवानों की मौत से गहरा दुख हुआ : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

आतंकवाद विरोधी अभियान में हमारे बहादुर और साहसी भारतीय सेना के जवानों की मौत से गहरा दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। राष्ट्र मजबूती से उनके साथ खड़ा है।

फिर से एक आतंकी मुठभेड़ में हमारे जवान शहीद हो गए : राहुल गांधी

आज जम्मू-कश्मीर में फिर से एक आतंकी मुठभेड़ में हमारे जवान शहीद हो गए। शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों को गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। लगातार हो रहे ये आतंकी हमले जम्मू-कश्मीर की जर्जर स्थिति बयान कर रहे हैं। भाजपा की गलत नीतियों का खामियाजा हमारे जवान और उनके परिवार भुगत रहे हैं। हर देशभक्त भारतीय की यह मांग है कि सरकार बार-बार हो रही सुरक्षा चूकों की पूरी जवाबदेही ले कर देश और जवानों के गुनहगारों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। दुख की इस घड़ी में पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता से खड़ा है। केंद्रीय मंत्री जीतेंद्र सिंह : मेरे लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में डोडा जिले के डेसा क्षेत्र में सशस्त्र मुठभेड़ की खबरों से बहुत परेशान हूं। हमारे बहादुरों की शहादत पर शोक व्यक्त करने और निंदा करने के लिए शब्द कम हैं। हम सभी मिलकर दुश्मन के नापाक मंसूबों को हराएं और शांति और सद्भाव बनाए रखें, जिसके लिए डोडा हमेशा से जाना जाता है।

यह कायरतापूर्ण हमला है: उपराज्यपाल

डोडा जिले में हमारी सेना के जवानों और जेकेपी कर्मियों पर हुए कायरतापूर्ण हमले के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। हमारे राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि। शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। हम अपने सैनिकों की मौत का बदला लेंगे और आतंकवादियों और उनके सहयोगियों के नापाक मंसूबों को विफल कर देंगे।

कमलेश शाह पर सीएम बोले-

अभी सिर्फ विकास, विकास, विकास...

- छिंदवाड़ा में कहा- सरकार 5 साल के लिए है, यह सब बातें होती रहेंगी

छिंदवाड़ा (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश सरकार में कमलेश शाह को मंत्री बनाने के सवाल पर कहा, देखिए, सरकार 5 साल के लिए है। साल-दो साल तो इस बात की गुंजाइश है कि हम विकास पर ध्यान दें, बाकी यह सब बातें होती रहेंगी। अभी सिर्फ विकास, विकास, विकास...।

सीएम ने यह बात मंगलवार को अमरवाड़ा में कही। उन्होंने यहां उपचुनाव में मिली जीत पर आभार रैली की। इसके बाद तुलसा होटल में जबलपुर में 20 जुलाई को होने जा रही रीजनल इंडस्ट्री कॉन्कलेव -2024 को लेकर समीक्षा बैठक की। सिवनी, बालाघाट और पांढुर्णा जिलों की वर्चुअल समीक्षा भी की।

मीटिंग के बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा, हमारा विकास को लेकर कमिटमेंट है। इसी को लेकर आज औद्योगिक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए पहली मीटिंग की है।

दिल्ली जाना भी जरूरी

दिल्ली जाने के सवाल पर सीएम बोले, दिल्ली की सरकार के साथ प्रदेश सरकार भी कदम से कदम मिलाए, इसलिए वहां भी जाना जरूरी है।

सीएम ने टेलीफोन एक्सचेंज से लेकर होटल तुलसा तक आभार रैली की। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा और अमरवाड़ा विधायक कमलेश शाह साथ रहे।

122.70 करोड़ रुपए के कामों का लोकार्पण-भूमिपूजन- सीएम ने कृषि उपज मंडी, अमरवाड़ा में पौधरोपण करने के बाद 122.70 करोड़ रुपए की लागत के निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, लोग कह रहे थे कि छिंदवाड़ा तो कठिन है, कांग्रेस का गढ़ है, हमने पहले भी कहा था कि गढ़ नहीं, गड़बड़ है।

उ.प्र. के 20 जिलों में बाढ़, 30 गांव डूबे

वाराणसी में गंगा का जलस्तर हर घंटे 5-10 सेंटीमीटर बढ़ रहा, गुजरात-महाराष्ट्र में रेड अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के 20 जिलों में बाढ़ के हालात हैं। नेपाल बॉर्डर की नदियों के साथ ही गंगा भी उफान पर है। वाराणसी में गंगा का जलस्तर हर घंटे 5-10 सेंटीमीटर बढ़ रहा है। गोरखपुर में राप्ती नदी खतरे के निशान के पार बह रही है। सड़कों पर नाव चल रही है। 30 गांव डूब गए हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने सीएम योगी से बाढ़ की हालात को लेकर चर्चा भी की।

बिहार में भी कई इलाकों में बाढ़ के हालात बने - उधर, बिहार में भी कई इलाकों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। मुजफ्फरपुर में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। कटरा प्रखंड में बागमती और लखनदेई नदी उफान पर है। बाढ़ के पानी से बकुची, पतारी, अंदामा, बसघट्टा, नवादा, गंगेया गांव की करीब 50 हजार से ऊपर की आबादी घिर गई है।

मौसम विभाग ने गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और गोवा के लिए आज बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

आज 11 राज्यों में भारी बारिश का अनुमान- मौसम विभाग ने उत्तराखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अंडमान-निकोबार में भारी बारिश का अनुमान जताया है। वहीं, आईएमडी ने ओडिशा, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश में बहुत भारी बारिश का अनुमान जताया है।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, बुधवार 17 जुलाई , 2024

सीहोरः मलेरिया-डेंगू की रोकथाम के लिए पूरे जिले में डॉली गई 60 हजार ऑयल बॉल

● 15 दिन बाद पुन : दोहराई जाएगी यही प्रक्रिया

सीहोर। सीहोर जिले में डेंगू-मलेरिया पर नियंत्रण के लिए कलेक्टर प्रवीण सिंह की पहल पर %ऑयल बॉल को बनाकर हथियार, मलेरिया डेंगू को भगाएंगे इस बार% अभियान पूरे जिले में एक साथ प्रातः 10 बजे से 11 बजे के बीच ठहरे हुए पानी में डेंगू-मलेरिया रोधी ऑयल बॉल डाल कर शुरू किया गया कलेक्टर प्रवीण सिंह ने सीहोर के देव नगर कालोनी में नगर पालिका अमले के साथ रुके हुए पानी में ऑयल बॉल डाल कर डेंगू मलेरिया नियंत्रण में आम नागरिकों से अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। यह ऑयल बॉल 15 दिवस पश्चात उन्हीं स्थानों में पुनः डाली जाएंगी। जिला पंचायत सीईओ आशीष तिवारी द्वारा इछावर जनपद के ग्राम पंचायत सिराली में ऑयल बॉल ठहरे हुए पानी में डाली गई। इस अभियान के साथ ही एक पेड़ मां के सम्मान में अभियान के तहत पौधरोपण भी किया गया कलेक्टर सिंह ने बताया कि इस अभियान के तहत 60 हजार से अधिक ऑयल बाल डालीं गई। इसमें 54 हजार से अधिक ऑयल बॉल ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 6 हजार से अधिक ऑयल बॉल नगरीय क्षेत्रों में रुके हुए पानी में डाली गई। कलेक्टर सिंह ने ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों के अमले के साथ ही सक्रिय भूमिका निभाने वाले जनप्रतिनिधियों, नागरिकों तथा शासकीय सेवकों को धन्यवाद दिया है। उन्होंने इसी प्रकार 15 दिवस पश्चात इस अभियान के दूसरे चरण को सफल बनाने की अपील की है।

सस्ता और कारगर उपाय है ऑयल बॉल

कलेक्टर सिंह ने बताया कि ठहरे हुए पानी में मलेरिया और डेंगू के मच्छरों के लार्वा नियंत्रण के लिए ऑयल बॉल सबसे सस्ता और कारगर उपाय है। ऑयल बॉल लकड़ी के बुरादे, खराब ऑयल और अनुपयोगी कपड़ों से तैयार की जाती है। आमजन भी अपने आसपास ठहरे हुए पानी में ऑयल बॉल डालकर डेंगू और मलेरिया के नियंत्रण में सहयोग कर सकते हैं। कलेक्टर सिंह ने बताया कि वर्षा काल में मच्छर जनित बीमारियों के नियंत्रण के लिए एवं मच्छरों की बढ़ती संख्या को नियंत्रण के लिए जले हुए तेल/मोटरआयल से निर्मित बॉल (गेंद) बनाई जाती है। यह बाल लकड़ी के बुरादे को सूती कपड़े में लपेटकर और फिर जले हुए तेल में भिगोकर बनाई गई है। इस बाल को जहां भी पानी जमा हो जैसे- गड्ढों, नाले, खाली प्लाट या ऐसी सभी जगह जहां पानी की निकासी लंबे समय तक नहीं हुई हो वहां पर इस बॉल को डाला गया है। ऑयल बॉल से तेल निकल कर पानी की पूरी सतह को कवर कर लेगा, जिससे मच्छर के किसी भी प्रकार के लार्वा को सांस लेने के लिए ऑक्सीजन नहीं मिलने से वह पनप नहीं पाएगा। कलेक्टर सिंह ने बताया कि आज समस्त ग्राम पंचायतों और शहरी क्षेत्रों में बीते कल मंगलवार को प्रातः 10 बजे से 11 बजे के बीच अभियान के रूप में ऑयल बाल ठहरे हुए पानी डाली गई हैं। इस अभियान के दूसरे चरण में 15 दिवस पश्चात पुनः इस प्रक्रिया को दोहराया जाएगा। कलेक्टर प्रवीण सिंह ने बताया कि मच्छरों की बढ़ती संख्या के नियंत्रण लिए जिले में अभियान को सफल बनाने में ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिले में 60 हजार ऑयल बॉल बनाई गईं। जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में 100-100 ऑयल बॉल तथा सभी नगरीय क्षेत्रों में 6,000 से अधिक ऑयल बॉल तैयार की गई।

गुनाः पुलिस हिरासत में दूल्हे की मौत

गुना। गुना जिले में पुलिस हिरासत में पारदी समाज के युवक की मौत हो गई इसे लेकर समाज की महिलाओं ने कलेक्ट्रेट में हंगामा कर दिया बताया जा रहा है कि महिलाएं बीते मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचीं, इस दौरान कलेक्टर डॉ. सतेंद्र सिंह ने उनकी बात सुनी लेकिन इसके बाद उन्होंने बाहर आकर हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान कुछ महिलाओं ने अपने कपड़े उतारना शुरू कर दिए जिन्हें मुश्किल से महिला पुलिसकर्मियों ने रोका कलेक्टर ने कुछ महिलाओं को दोबारा बुलाकर भी उनकी बात सुनी। गुना की झांगर चौकी पुलिस ने देवा पारदी और उसके चाचा गंगाराम पारदी को रविवार को पकड़ा था। इसी दिन देवा की बारात गुना शहर के गोकुल सिंह चक्क में जानी थी। रात में परिवार को देवा की मौत की सूचना मिली जिसके बाद मिनी ट्रक में भरकर महिलाएं जिला अस्पताल पहुंच गईं। देवा की दुल्हन ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह की कोशिश की। चाची सूरजबाई ने खुद को आग लगा ली। दूसरे दिन सोमवार को भी परिवार के लोग भोपाल में पोस्टमॉर्टम कराने की मांग पर अड़ गए। बाद में मजिस्ट्रियल जांच का आश्वासन मिलने के बाद वे शांत हुए। एडिशनल एसपी मान सिंह ठाकुर ने बताया कि म्याना इलाके के भिड़रा गांव में हुई चोरी के मामले में पूछताछ करने के लिए देवा पारदी और गंगाराम पारदी को हिरासत में लिया गया था रविवार शाम दोनों को चोरी हुए सामान की रिकवरी के लिए ले जा रहे थे। इस दौरान देवा के सीने में दर्द शुरू हो गया, उसे तुरंत म्याना के अस्पताल ले जाया गया वहां से जिला अस्पताल लाया गया जहां 45 मिनट तक चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। मृतक देवा के खिलाफ छह केस दर्ज हैं। पुलिस जब उसे थाने ले गई तब वह दूल्हे के लिबास में था उसकी बारात जाने वाली थी। दुल्हन हाथों में मेहंदी लगाए इंतजार कर रही थी।

विधानसभा में अधूरा जवाब भेजने पर वापरी सख्ती, नगरीय प्रशासन विभाग के वेतन रोकने के निर्देश

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में अधूरे जवाब को लेकर नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने आयुक्त को नोटशीट लिखी है। इसमें उन्होंने लिखा है कि 2024 के विधानसभा सत्र में कुछ प्रश्नों के उत्तर अपूर्ण दिए गए है। अपूर्ण प्रश्नों की 30 जुलाई तक पूर्ण जानकारी भेजना सुनिश्चित करें और ऐसे शाखा प्रमुख/प्रभारी जिनके द्वारा अधूरे प्रश्नों के जवाब पूरी तरह नहीं भेजे जाते है उनका जुलाई माह का वेतन आहरण न किया जाए। बता दें विधानसभा में अधूरे जवाब को लेकर विधायक कई बार आपत्ति दर्ज करा चुके हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने अधूरे जवाब भेजने वाले अधिकारियों पर सख्ती दिखाई है।

बच्चों को मुफ्त शिक्षा और 20 लाख का लालच देकर धर्मांतरण का प्रयास

भोपाल। भोपाल के पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित आनंद नगर के शिव नगर में तीन महिलाओं द्वारा गरीब बस्ती में लोगों को उनके बच्चों की अच्छी शिक्षा और पैसों का लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीन महिलाओं के खिलाफ धर्मांतरण के प्रयास का मामला दर्ज कर हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पिपलानी पुलिस के अनुसार शिव नगर में रहने वाले धनवीर सिंह ठाकुर ने पुलिस को की शिकायत में बताया कि मैरी बस्तवाल, मैरी मसीह एवं सुमन मसीह रविवार को शिवनगर बस्ती में घर-घर जाकर संपर्क कर बच्चों को अच्छी शिक्षा मुफ्त में दिलाने और लोगों को पैसों का लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रलोभन दे रही थीं। महिलाओं के पास ईसाई धर्म का सहित्य और कुछ आपत्तिजनक साहित्य भी थे। तीनों महिलाओं रोग, बीमारी, परेशानी और आर्थिक तंगी से बचने के लिए ईसाई प्रार्थना करने का भी प्रलोभन दे रही थीं। इसके साथ ही ईसाई धर्म अपनाने पर प्रति परिवार 20 लाख रुपए देने का भी प्रलोभन दे रही थीं। शिकायत के बाद पुलिस ने तीनों महिलाओं के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत प्रकरण दर्जकर हिरासत में लेकर मामले में जांच शुरू कर दी है। धनवीर बजरंग दल के कार्यकर्ता हैं और आनंद नगर चौकी के पास दुकान चलाते हैं। तीनों महिलाएं भोपाल की रहने वाली हैं। दो महिलाएं कुछ वर्ष पहले धर्म परिवर्तन कर ईसाई बनी हैं।

खनिज विभाग ने होमगार्ड प्रशिक्षण केन्द्र सोनाघाटी परिसर में किया पौधा रोपण

बैतूल(निप्र)। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत रविवार को खनिज विभाग ने सोनाघाटी स्थित होमगार्ड प्रशिक्षण केन्द्र परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों एवं खाटू श्याम सेवा समिति टिकारी के सदस्यों ने होमगार्ड प्रशिक्षण केन्द्र परिसर में आम, आंवला, जामुन, कटहल, इमली के 30 पौधों का रोपण कर उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया। साथ ही पौधों का रोपण कर प्रत्येक प्रतिभागी ने फोटोग्राफ वायुदूत (अंकुर) मोबाइल एप पर अपलोड किए। अभियान के अंतर्गत समस्त खनिज पट्टाधारी एवं रेत खदान ठेकेदार के द्वारा भी पौधरोपण किया जा रहा है।

जिला चिकित्सालय में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं जांच शिविर आयोजित

सीहोर (निप्र)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिला चिकित्सालय स्थित शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र (डीईआईसी) भवन में कटे-फटे तालु वाले बच्चों के उपचार के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य एवं जांच शिविर आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि शिविर में 16 बच्चों का पंजीयन किया गया तथा कम वजन वाले 06 बच्चे, सर्जरी के लिए 03, फॉलोअप के 03 तथा अनफिट के 04 बच्चों का उपचार के लिए चिन्हांकन किया गया। बच्चों का परीक्षण स्माईल ट्रेन के चिकित्सकों तथा जिला चिकित्सालय की शिशु रोग विशेषज्ञों द्वारा बच्चों को डीईआईसी के लिए रेफर किया गया था।

पौधरोपण कार्यक्रम सतत जारी

विदिशा (निप्र)। एक पौधा मां के नाम से रोपित करने का अभियान जिले में जारी है जिसके तहत कुरवाई विधायक श्री हरिसिंह सप्रे ने मेहलुआ पंचायत एवं झागर पंचायत के ग्रामो में पहुंचकर अभियान के तहत पौधरोपण कर जनजागरूकता व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। पौधरोपण कार्यक्रम में स्थानीय एसडीएम श्री मनोज कुमार प्रजापति के अलावा अन्य अधिकारियों व जन प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता निभाई है।

पाचातलाई की उचित मूल्य दुकान हेतु 19 जुलाई तक आवेदन करें

हरदा(निप्र)। जिला आपूर्ति अधिकारी हरदा ने बताया कि हरदा अनुविभाग की उचित मूल्य दुकान विहीन ग्राम पंचायत पाचातलाई के लिये खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा उचित मूल्य की दुकान आवंटन के लिये ऑनलाइन आवेदन 19 जुलाई 2024 तक आमंत्रित किये गये है।

आखिर कब चलेंगी बीसीएलएल की 139 बसें, ड्राइवर-कंडक्टर हुए बेरोजगार हजारों यात्री भी हो रहे परेशान

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में चलने वाली बीसीएलएल की 139 बसें इस समय डिपो के अंदर खड़ी हुई हैं। इसकी वजह से शहर के 40 हजार लोग परेशान हो रहे हैं बस कंपनी ने सैकड़ों ड्राइवर-कंडक्टरों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है, जिससे वे बेरोजगार हो गए हैं। पिछले दो महीने से जिन 149 बसों के संचालन को लेकर विवाद चल रहा है, उनमें से सिर्फ 10 बसें ही सड़क पर दौड़ रही हैं। बसों के बंद होने का खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है।

बीसीएलएल ने दूसरी कंपनी के लिए बुलाए टेंडर

जानकारी के मुताबिक, बीसीएलएल ने दूसरी कंपनी के टेंडर बुला लिए हैं। नए टेंडरों से नई कंपनी की तलाश की जा रही है। इसके बाद ये कंपनी 149 बसों के टिकिट कलेक्शन का काम करेगी इसके पहले भी ये बसें करीब हफ्ते भर के लिए बंद रहीं थीं। बता दें कि 14 जून को इन बसों के पहिए थम गए थे। इसके पीछे की वजह ये थी कि बस ऑपरेटर की तरफ से ड्राइवर और कंडक्टरों के खाते में क्क्न और श्वस्ढ्ढ्ष्ट का पैसा जमा नहीं किया गया था। बसों के बंद होने की वजह टिकट कलेक्शन है, कलेक्शन करने वाली एजेंसी चलो एप की तरफ से प्रति किलोमीटर दी जाने वाली राशि को घटाने की मांग है।

इस समस्या का समाधान 5 दिन तक बीसीएलएल और निगम के जिम्मेदारों ने खूब निकालने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे।

महापौर की बैठक के बाद सिर्फ एक दिन दिखाई थी झलक

इसे लेकर पिछले हफ्ते भोपाल की महापौर मालती राय ने बैठक भी ली थी और बसों को तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए थे। हालांकि एक दिन के लिए तो सारी बसें बाहर निकली, लेकिन उसके बाद फिर ऐसी गायब हुईं कि आज तक अता-पता नहीं। इसके बाद बीसीएलएल के अधिकारी भी इस मामले को नहीं सुलझा पाए बसों के न चलने से शहर के करीब 40 हजार से ज्यादा लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। बता दें कि टिकट कलेक्शन विवाद के चलते इन बसों के पहिए 4 जुलाई को थम गए थे। अब तो यात्री इस बात से भी परेशान हैं कि वे इस महीने का मंथली पास बनवाएं या नहीं। क्योंकि बड़ा सवाल ये है कि बस चलेंगी भी या नहीं।

इसके बाद छठवें दिन महापौर मालती राय ने मीटिंग की, लेकिन फिर भी बसों का संचालन शुरू नहीं हुआ।

ड्राइवर-कंडक्टर हुए बेरोजगार

भोपाल सिटी यान चालक-परिचालक ट्रेड यूनियन इंटक के अध्यक्ष अजीज खान के मुताबिक, बसों का संचालन बंद होने से ड्राइवर-कंडक्टर बेरोजगार हो गए हैं इस समय उनके सामने सबसे बड़ी परेशानी परिवार के पालन-पोषण की है नगर निगम और बीसीएलएल को जल्द मामले का समाधान निकालकर बसों का संचालन शुरू करना चाहिए।

बड़ा फैसलाः बुजुर्गों के साथ अब युवा को भी सरकार कराएगी प्रदेश के तीर्थ स्थलों के दर्शन

मप्र। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि वरिष्ठ नागरिकों को देश के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों के साथ-साथ राज्य के प्रमुख धार्मिक स्थल भी घुमाए जाएं। इसके लिए तीर्थ दर्शन योजना का विस्तार किया जाएगा एमपी में लागू की गई तीर्थ दर्शन योजना को लेकर सीएम ने बड़ा फैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को भी अब प्रदेश के महत्वपूर्ण स्थलों पर सरकार लेकर जाएगी। ज्ञान-विज्ञान के केंद्रों और ऐतिहासिक महत्व के स्थानों पर सरकार युवाओं को लेकर जाएंगी।

इस प्रक्रिया से होगा छात्रों का चयन

एमपी जनजातीय विकास विभाग हर जिले से मेरिट और अन्य आधार पर छात्रों का चयन कर उन्हें प्रदेश के महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण करवाएगा। सीएम ने ओरछा, शारदा माता के स्थान मैहर, बड़ा महादेव मंदिर, चौरागढ़ महादेव और जटा शंकर पचमढ़ी पर व्यवस्थाएं बेहतर करने के निर्देश दिए। जनजातीय विकास विभाग द्वारा हर जिले से मेरिट और अन्य आधार पर विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें प्रदेश के महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण करवाया जाए धार्मिक न्यास, धर्मस्व मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी बैठक में वर्चुअली शामिल हुए बैठक में मुख्य सचिव वीरा राणा, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उज्जैन में होगा धार्मिक मुख्यालय

मध्य प्रदेश का धार्मिक मुख्यालय अब उज्जैन होगा। सिंहस्थ से पहले मोहन यादव सरकार ने ये बड़ा फैसला लिया है धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग)का मुख्यालय भोपाल से उज्जैन शिफ्ट किया जाएगा अब सिंहस्थ के फैसले भी भोपाल नहीं बल्कि उज्जैन से लिए जाएंगे। इसके अलावा उज्जैन का महत्व और भी बढ़ेगा। साल 2028 में उज्जैन में सिंहस्थ मेले का आयोजन होगा ऐसे में धार्मिक न्यास और धर्मस्य विभाग के उज्जैन में होने की वजह से मेले का आयोजन में भी काफी आसानी होगी।

हाय महंगाईः सांची ने बढ़ाए दूध के दाम

सब्जियों के आसमान छूते दामों के बीच आम जनता को महंगाई का एक और बड़ा झटका

भोपाल। आम जनता महंगाई की मार से परेशान हैं। एक तरफ सब्जियों के रेट बढ़े हैं तो वहीं अब प्रदेश में सांची दुग्ध संघ ने आम जनता को बड़ा झटका देते हुए दूध के रेट बढ़ा दिए हैं। प्रदेश के भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, बुंदेलखंड और उज्जैन दुग्ध संघ ने सांची के दाम बढ़ा दिए गए हैं। देशभर में इन दिनों जहां महंगाई के चलते सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं तो वहीं अब एक बार फिर बीते दिन एमपी में सांची का दूध महंगा हो गया है।

इतने रुपए बढ़े रेट

एमपी में सांची दूध महंगा हो गया है। भोपाल दुग्ध संघ ने 2 रुपये बढ़ा दिए हैं। 50 रुपए वाले चाय स्पेशल दूध का रेट अब बढ़कर 52 रुपये हो गया है तो वहीं टोंड मिल्क 52 से 54 रुपये कर दिया गया है साथ ही फुल क्रीम दूध के दाम 64 से 66 रुपये कर दिए गए हैं। नई दरें बीते दिन यानी 15 जुलाई से लागू हो चुकी हैं। बीते दिन पहले अमूल से लेकर देवभोग तक के दूध के दामों में बढ़ोतरी की गई है। अब सांची दूध के दामों में भी इजाफा किया गया है।

भोपाल में दूध की कुल खपत

भोपाल में खुले दूध की बिक्री पैकेट वाले दूध से ज्यादा होती है। जानकारी के अनुसार एक अनुमान के मुताबिक यहां 6 से 8 लाख लीटर दूध प्रतिदिन बिकता है। पैकेट वाले दूध में भोपाल में सबसे ज्यादा 3 लाख लीटर दूध सांची का बिकता है।

इसमें अमूल दूध की खपत 60 हजार लीटर है। भोपाल में सौरभ, श्रीधी, मदर डेयरी का दूध भी पैकेट में बिकता है सौरभ और श्रीधी का करीब 1 लाख लीटर दूध भोपाल जिले में बिकता है। वहीं, मदर डेयरी ब्रांड का दूध शहर में ही बिकता है।

राजस्व महाअभियान का द्वितीय चरण 18 जुलाई से 31 अगस्त तक, प्रथम चरण में पांढुर्ना प्रदेश में प्रथम

सभी जिलें अच्छा कार्य करें - सीएम यादव

भोपाल। प्रदेश में 15 जनवरी से 31 मार्च तक चलाए गए राजस्व महाअभियान 01 में 30 लाख से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया था। इस महाअभियान में सभी जिलों में अच्छा काम हुआ। महाअभियान में राजस्व प्रकरणों के निराकरण प्रतिशत के हिसाब से पांढुर्ना प्रथम (कलेक्टर अजय देव शर्मा), बुरहानपुर द्वितीय (कलेक्टर भव्या मित्तल) तथा खण्डवा तृतीय (कलेक्टर अनूप सिंह) स्थान पर रहे। मुख्यमंत्री यादव ने कहा है कि द्वितीय चरण में सभी जिलें अच्छा कार्य करें, कोई शिकायत नहीं आए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गत दिवस कहा कि राजस्व महा अभियान प्रथम चरण (जनवरी- मार्च 2024) की सफलता को देखते हुए राज्य शासन द्वारा राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख त्रुटियों को ठीक करने के लिए राजस्व महाअभियान का द्वितीय चरण 18 जुलाई से 31 अगस्त तक चलेगा। अभियान के दौरान सभी संभाग आयुक्त और कलेक्टर अपने क्षेत्रों का निरंतर निरीक्षण करेंगे। उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजस्व अधिकारियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य राजस्व न्यायालय में समय सीमा पर लंबित प्रकरणों का निराकरण, नए राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पर दर्ज कराना, नक्शे पर तरमीम, पीएम किसान योजना सभी पात्र किसानों को लाभ देना, समग्र का आधार ई-केवाईसी और खसरे की समग्र/ आधार से लिंकिंग एंड फार्मर रजिस्ट्री का क्रियान्वयन है। डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण एक अगस्त से 15 सितम्बर तक होगा। 46 प्रकरण लंबित 81 हजार 327 निराकृत प्रकरण शामिल हैं।

जन अभियान परिषद आदर्श ग्रामों के विकास और नए सेवा क्षेत्रों में करें कार्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अभियानों में परिषद की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गत दिवस कहा है कि मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, सामाजिक संगठनों के सहयोग से आदर्श ग्रामों के विकास, कृषि, पशुपालन, पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में नवीन प्रकल्पों को क्रियान्वित करें। अंतर्राज्यीय परियोजनाओं के प्रदेश के संबंधित क्षेत्र में आमजन के बीच जागरूकता के निर्माण और आदर्श ग्रामों के विकास के कार्य भी प्राथमिकता से किए जाएं। मुख्यमंत्री यादव ने मंत्रालय में परिषद के शासी निकाय की बैठक में गतिविधियों की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परिषद द्वारा अब तक संचालित गतिविधियां सराहनीय हैं। परिषद द्वारा आदर्श ग्रामों के विकास के लिए पंचायतों को प्रोत्साहित करने का कार्य निरंतर किया जाए। हैरीटेज एवं रूरल टूरिज्म के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने और ग्रामों में जन सहयोग जुटाने का कार्य किया जाए। इसी तरह किसानों के बीच जाकर जीरो बजट पर खेती, पशुओं की नस्ल सुधार, गांव के मसले गांव में ही हल किए जाने के साथ ही, जिन ग्रामों में कोई विवाद नहीं है उन ग्राम पंचायतों को सम्मानित करने का कार्य भी करना है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि जन अभियान परिषद जन सेवा के अछूते क्षेत्रों में भी कार्य की पहल करे। उदाहरण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश की घटनाओं को देखते हुए पंचायत स्तर पर ऐसे विशेषज्ञ प्रशिक्षित किए जाएं जो सर्प की प्रजातियां पहचानने, उन्हें पकड़ने और वन क्षेत्र में उन्हें छोड़ने के दायित्व को पूरा करें। सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से जन-जागरूकता बढ़ाने का कार्य निरंतर चलना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल-गंगा संवर्धन अभियान की तरह अन्य समाजोपयोगी अभियानों के संचालन में परिषद की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। ग्रामीणों को प्राचीन धरोहर के संरक्षण के लिए शिक्षित एवं जागरूक बनाने का कार्य भी रचनात्मक प्रयासों में शामिल हो। बैठक में परिषद की ओर से सम्पन्न गतिविधियों की जानकारी प्रजेंटेशन द्वारा दी गई।

पाठ्यक्रम पुस्तिकाओं का किया गया विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, उप-मुख्यमंत्री देवडा और पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री पटेल ने विभिन्न पाठ्यक्रम पुस्तिकाओं का संयुक्त रूप से विमोचन किया। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के तहत महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट की ओर से समाज कार्य स्नातक पाठ्यक्रम (बीएसडब्ल्यू) प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम का विमोचन किया गया। विभिन्न आठ पुस्तिकाओं में समाज कार्य का परिचय, पर्यावरण अध्ययन, हिंदी भाषा, प्रवेश विवरणिका, अंग्रेजी भाषा और भारतीय संस्कृति, समाज कार्य एवं अन्य अवधारणाएं, योग एवं ध्यान, विकास की अवधारणा एवं क्रियान्वयन शामिल है। इसके साथ ही समाज कार्य परास्नातक पाठ्यक्रम (एमएसडब्ल्यू) औद्योगिक संगठनों में समाज कार्य, मानव संसाधन प्रबंधन, हिंदी भाषा और संस्कृति, सामुदायिक संगठन एवं सामाजिक क्रिया पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। बैठक में भूमिहीन की आवाज और कृषि, श्रम की सामाजिक आर्थिक स्थिति की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव एवं मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला और म.प्र. जन अभियान परिषद के कार्यपालक निदेशक डॉ. धीरेंद्र कुमार पांडे उपस्थित थे।

सिक्का स्कूल के सामने स्थित पंजाब नेशनल बैंक में करीब 7 लाख की लूट

सिक्योरिटी गार्ड ने हवाई फायर करते हुए मचाई दहशत, लेकर फरार

इंदौर। विजय नगर थाना क्षेत्र में सिक्का स्कूल के सामने स्थित पंजाब नेशनल बैंक में मंगलवार शाम 4-30 बजे एक संदिग्ध सिक्योरिटी गार्ड ने 6.64 लाख रुपये लूट लिए। घटना के दौरान गार्ड ने हवाइ फायर कर बैंक में हवाई फ़ायर भी किया और रुपये लेकर फरार हो गया। पुलिस संदिग्ध की तलाश के लिए शहर भर में चेकिंग अभियान शुरू कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

पुलिस के अनुसार पंजाब नेशनल बैंक विजय नगर शाम में मंगलवार शाम करीब 4-30 बजे एक संदिग्ध सिक्योरिटी गार्ड ने बैंक में हवाई फायर किया। आरोपी रेनकोट पहने हुए था। आरोपी गार्ड के फायर करते ही बैंक में अफरा तफरी मच गई। आरोप बंदूक दिखाते हुए सीधे कैशियर के पास पहुंचा। इस दौरान दशहत में मारे सभी लोग नीचे बैठ गए। आरोपी ने अपने साथ एक बैग लिए हुए था। आरोपी ने कैशियर को बंदूक दिखाते हुए बैग देकर उसमें कैश भरने को बोला। कैशियर ने करीब 6.64 लाख कैश बैग में रख दिया। इसके बाद आरोपी लोगों को धमकाते हुए बाहर निकल गया। पुलिस के अनुसार आरोपी के कई साथी बैंक के बाहर मौजूद थे। आरोपी गार्ड लूट को अंजाम देते हुए बाइक पर सवार होकर फरार हो गया। इसके बाद बैंक से पुलिस को लूट की जानकारी दी गई।

एसीपी विजय नगर ने बताया कि घटना की जानकारी होते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। संदिग्ध की तलाश के लिए शहर भर में चेकिंग अभियान शुरू कर दिया गया है। रहवासियों ने बताया कि लुटेरा जब बाहर निकाला तो दो से तीन लोग उसे कवर कर रहे थे। वह बाइक पर अकेला भाग कर निकाला, लेकिन उसके पीछे दो से तीन गाड़ियां और तेजी से गईं। पुलिसकर्मियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की जा रही है।

ठेले दुकानदारों तक पॉलिथीन पहुंचाने वालो पर नगर निगम की सख्त कार्यवाही

दैनिक सदभावना पाती

इंदौर। झोन 1 वार्ड 16 बांगडदा रोड पर सब्जी के ठेले दुकानों के पास एक टू व्हीलर काइनेटिक गाड़ी आती है और दुकानों पर पॉलिथीन व्यक्ति देता है तभी वार्ड दरोगा नजर रखता है तभी उसको रोकने की कोशिश करते तो वह गाड़ी आगे भगा लेता है वार्ड दरोगा शनि अगवानी ने तुरंत सहायक ष्टस्ढ्ढ भारत करोसिया को सूचना दी करोसिया मौके पर पहुंचकर सभी से पूछताछ करके शुभम पैलेस उसके घर खोजबीन करके पहुंचते हैं पर घर पर ताला लगा हुआ देख पास से उनका मोबाइल नंबर लेकर पूछताछ करके बुलाते हैं तो अपनी गलती स्वीकार व मानकर माफी मांगने लगे व चालानी कार्रवाई करने से मना करते हुए इधर-उधर मोबाइल लगाने लगे तभी करोसिया ने फटकार लगाते हुए तीन किलो अमानत प्रतिबंधित पॉलीथिन जप्त की और 5000 की चालानी कार्रवाई की और समझाइएश दी गई कार्रवाई में वार्ड दरोगा सनी अगवानी एनजीओ की टीम मौजूद थे।

ड्यूटी से गायब कर्मचारियों का कटेगा वेतन, कमिश्नर ने दिये आदेश

इंदौर। तमाम प्रयासों के बावजूद शहर की सफाई व्यवस्था पटरी पर आने का नाम नहीं ले रही। बीते दिन कल मंगलवार को निगमायुक्त शिवम वर्मा औचक निरीक्षण पर निकले तो उन्हें वार्डों में कचरा और गंदगी मिली। निगमायुक्त ने मौके पर ही एक दारोगा को निलंबित करने और दूसरे दारोगा का पांच दिन का वेतन काटने के आदेश दे दिया। निरीक्षण में यह बात भी पता चली कि कई कर्मचारी कर्मचारी हैं जो बगैर सूचना के गायब रहते हैं। निगमायुक्त ने ऐसे कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने का आदेश दिया।जोन 12 में जवाहर मार्ग, राजबाड़ा, पंढरीनाथ क्षेत्र और मिल्लत नगर में सफाई व्यवस्था का ठीक नहीं पाए जाने एवं कचरा तथा गंदगी पाए जाने पर निगमायुक्त ने वार्ड दारोगा विक्की खोड़े को तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए। इसी तरह वार्ड 60 में सफाई व्यवस्था ठीक नहीं पाए जाने पर दारोगा अरुण करोसिया का 5 दिन का वेतन काटने और क्षेत्र में काम कर रहे एनजीओ पर पेनल्टी लगाने का निर्देश दिया। निगमायुक्त निरीक्षण के दौरान जोन 17 में पहुंचे। उन्होंने कर्मचारियों का उपस्थिति रजिस्टर चेक किया और इस बात की जानकारी ली कि कौन कर्मचारी क्या काम करता है। जांच के दौरान पता चला कि कई कर्मचारी बगैर सूचना के अनुपस्थित हैं। ऐसे कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने का आदेश दिया गया।

नर्मदा नदी के 1000 किमी क्षेत्र की मैपिंग करेगा आईआईटी

इंदौर। आईआईटी इंदौर में 'जल शक्ति मंत्रालय' की 'नर्मदा नदी क्षेत्र प्रबंधन' परियोजना के अंतर्गत नर्मदा नदी क्षेत्र प्रबंधन अध्ययन केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस केंद्र का उद्घाटन रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव एवं डीआरडीओ के चेयरमैन डॉ. समीर वी. कामत ने किया। इस उद्घाटन में आईआईटी इंदौर के शासी मंडल के अध्यक्ष डॉ. के. सिवन, आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी, आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर विनोद तारे भी उपस्थित रहे। यह केंद्र एक ऐसी परियोजना पर काम करेगा, जिसमें मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी के लगभग 1,000 किलोमीटर के पूरे क्षेत्र की मैपिंग की जाएगी। इसके लिए, नर्मदा नदी क्षेत्र के 3-डी मॉडल के रूप में एक प्रोटोटाइप भी बनाया गया, ताकि नदी क्षेत्र की मैपिंग और इसके पर्यावरण के संरक्षण में विभिन्न जटिलताओं और चुनौतियों को दर्शाया जा सके। साथ ही, नर्मदा नदी क्षेत्र पर किए गए विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों को भी गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर, डॉ. कामत ने नर्मदा नदी क्षेत्र के अध्ययन और मध्य प्रदेश राज्य में जल प्रबंधन पर एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए प्रोफेसर मनीष गोयल के नेतृत्व में आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्यों प्रोफेसर प्रीति शर्मा, प्रोफेसर किरण बाला और प्रोफेसर मयूर जैन की टीम के प्रयासों की सराहना की।नर्मदा को संरक्षित करने का प्रयास संस्थान में नर्मदा नदी क्षेत्र से संबंधित महत्वपूर्ण समस्याओं पर प्रकाश डालने तथा विशेषज्ञ व्याख्यानों और सहयोगात्मक चर्चाओं के माध्यम से संभावित समाधानों पर चर्चा करने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में अलीराजपुर जिले के विशेष संदर्भ के साथ नर्मदा नदी क्षेत्र में सामुदायिक पारिस्थितिकी तंत्र का पुनःस्थापन, नर्मदा का जीर्णोद्धार करने के लिए सामाजिक नेतृत्व में अभियान, नर्मदा नदी क्षेत्र में वन भूमि का महत्व, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और भू-जल पुनरुद्धार गतिविधियां तथा नर्मदा नदी क्षेत्र में पर्यावरण संबंधी समस्याओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। आईआईटी इंदौर में परियोजना का नेतृत्व कर रहे संकाय सदस्य प्रोफेसर मनीष गोयल ने कहा, सार्वजनिक चर्चा ने सभी प्रतिभागियों को अपने विचार साझा करने और नर्मदा नदी क्षेत्र के स्थायी प्रबंधन के लिए आगे का मार्ग प्रशस्त करने में सहयोग करने के लिए एक मंच प्रदान किया है।

महापौर द्वारा 5 करोड़ की लागत से बने हाथी पाला पुल का लोकार्पण

-हाथी पाला पुल से जवाहर मार्ग को जोड़ने तथा बैंक ऑफ बड़ौदा से गाड़ी अड्डा तक मार्ग निर्माण की घोषणा

-शहर में बनेंगे 21 से अधिक बड़े छोटे पुल- सांसद लालवानी

इंदौर। शहर के विकास कार्यों की संख्या में एवं शहर के यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने के लक्ष्य के क्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी एवं विधायक राकेश गोलू शुक्ला द्वारा रुपए 5 करोड़ की लागत से निर्मित हाथीपाला पुल का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक गोपीकृष्ण नेमा, महापौर परिषद सदस्य मनीष शर्मा मामा, निरंजन सिंह चौहान, अश्विनी शुक्ल, पार्षद श्रीमती रंजना पिंपले, श्रीमती रूपा पांडे, गजानन गावड़े, सुरेश टाकलकर, श्रीमती पंखुड़ी जैन डोषी, मृदुल अग्रवाल, भावना चौधरी, पूर्व पार्षद कैलाश यादव, भाजपा केसरी आलोक दुबे एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर में स्वच्छता के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के क्रम में एक ही दिन में 12 लाख 70 हजार से अधिक पौधे रोपकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में आपके सहयोग से अपना नाम किया है। उन्होंने कहा कि हाथी पाला पुल निर्माण हेतु हमारे द्वारा विगत वर्ष में भूमि पूजन किया गया था और आज इसका लोकार्पण किया जा रहा है। इसके साथ ही महापौर भार्गव द्वारा हाथी पाला पुल से जवाहर मार्ग को जोड़ने तथा बैंक ऑफ बड़ौदा से गाड़ी अड्डा तक मार्ग निर्माण की घोषणा की गई। इसके साथ ही शहर में 400 करोड़ की लागत से 23 मास्टर प्लान सड़कों का निर्माण किया जाना है इसके टेंडर एवं अन्य कार्य प्रगतिरत है, जिसके निर्माण कार्य वर्षा काल के बाद प्रारंभ किए जाएंगे।

हाथीपाला पुल निर्माण कार्य

जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौड़ ने बताया कि इन्दौर शहर की विधानसभा क्षेत्र क्र. 03 के अंतर्गत शहर के मध्य क्षेत्र में प्रमुख मार्ग पर पूर्व निर्मित हाथीपाला पुल लगभग 70 वर्ष पुराना होने से पुल की स्थिति अत्यंत जीर्णशीर्ण थी एवं पुल की कुल चौड़ाई केवल 20 फीट होने से पुल पर से वाहनों के आवागमन में कठिनाई होती थी। हाथीपाला का नवीन पुल 4 लेन का होकर कुल लम्बाई 125 फीट एवं चौड़ाई 60 फीट है जिसमें पुल के दोनों ओर 4 फीट चौड़ाई के फुटपाथ व सेन्ट्रल मिडियन का निर्माण कार्य एवं पुल के दोनों ओर लगभग 180 फीट लम्बाई में एप्रोच मार्ग का निर्माण किया गया है। पुल के निर्माण से इंदौर शहर के पूर्वी क्षेत्र में स्थित जूनी इंदौर, सरवटे बस स्टैंड, चंद्रभागा, जवाहर मार्ग, चंपाबाग, साउथ तोड़ा आदि स्थानों से शहर के मध्य क्षेत्र तक आवागमन में नागरिकों को सुविधा प्राप्त होगी तथा यातायात का आवागमन सुगम होगा।

- पुल की चौड़ाई 60 फीट
- पुल की लम्बाई 125 फीट
- पुल निर्माण की लागत रू. 4.97 करोड़
- एप्रोच मार्ग 180 फीट (जूनी इन्दौर एवं जवाहर मार्ग की ओर)
- पुल निर्माण में बाधक प्राइमरी सीवर लाइन, वाटर लाइन, ॥ढ्ढ/रुक्ष इलेक्ट्रिक लाइन व ट्रांसफार्मर शिफ्टींग का कार्य किया गया है।

सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि महापौर एवं उनकी टीम द्वारा इंदौर को पर्यावरण संरक्षण के क्रम में नई सौगात दी है। इसके साथ ही इंदौर के रेलवे स्टेशन को एयरपोर्ट की तर्ज पर नया एवं विशाल स्टेशन बनाने की कार्य योजना तैयार की गई है तथा शहर में 21 बड़े एवं छोटे पुल पुलिया का निर्माण कार्य की योजना है। इंदौर विकास कार्य की श्रृंखला में अन्य विकसित शहरों से तेज गति से कार्य कर रहा है।

एमएसएमई औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहन राशि का भुगतान केन्द्रीयकृत ऑनलाईन प्रणाली से होगा : मंत्री कश्यप

- प्रोत्साहन राशि के बजट में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी, 490 से 699 करोड़ हुआ बजट

इंदौर। एमएसएमई श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहन राशि वितरण की वर्तमान प्रचलित प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सरलीकृत बनाने के उद्देश्य से समस्त भुगतान केन्द्रीयकृत ऑनलाइन भुगतान/वितरण प्रणाली के माध्यम से उद्योग संचालनालय स्तर पर किये जाने का निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि एमएसएमई मंत्री चैतन्य कुमार कश्यप ने उक्त आशय के निर्देश दिए थे।

एमएसएमई प्रोत्साहन व्यवसाय निवेश संवर्धन सुविधा प्रदाय योजना में वर्ष 2023-24 में 490 करोड़ का बजट प्रावधान था, जिसे बढ़ाकर वर्ष 2024-25 में 699.20 करोड़ रुपये किया गया है। बजट में विगत वित्त वर्ष की तुलना में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की गई हैं। मध्यम श्रेणी की इकाइयों के लिये पहली बार राशि रुपये 100 करोड़ का बजट प्रावधान किया गया हैं। मध्यप्रदेश में एमएसएमई श्रेणी की इकाईयों के प्रोत्साहन के लिये मध्यप्रदेश एमएसएमई प्रोत्साहन योजना 2021 लागू हैं, जिसमें सूक्ष्म, लघु श्रेणी की इकाइयों के लिए 40 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है। इसी प्रकार मध्यम श्रेणी की इकाइयों के लिए 40 प्रतिशत तक एवं मध्यम श्रेणी की खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को मूल सहायता का डेढ़ गुना तक प्रोत्साहन राशि एवं अन्य सुविधाएं दिये जाने का प्रावधान हैं। पूर्व में सूक्ष्म एवं लघु श्रेणी की इकाइयों के लिए प्रोत्साहन राशि का भुगतान जिला स्तर से किया जाता था, जिससे इकाइयों को प्रोत्साहन राशि वितरण/भुगतान प्रक्रिया जटिल थी एवं विलम्ब होता था। अब सरलीकरण एवं पारदर्शिता के लिए एमएसएमई मंत्री चैतन्य कुमार कश्यप द्वारा निर्देश दिये गए जिसके अनुक्रम में एमएसएमई श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहन राशि वितरण की वर्तमान प्रचलित प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सरलीकृत बनाने के उद्देश्य से उक्त समस्त भुगतान केन्द्रीय कृत ऑनलाइन भुगतान/वितरण प्रणाली के माध्यम से उद्योग संचालनालय स्तर पर किये जाने का निर्णय लिया गया है।

सुचारू संचालन के लिये वित्त विभाग द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग को पृथक से पी.डी. अकाउंट स्वीकृत किया गया हैं। केन्द्रीय कृत भुगतान प्रणाली अन्तर्गत प्रदेश के समस्त स्वीकृत प्रकरणों में पात्र इकाइयों को उत्पादन दिनांक के वरीयता क्रम में पी.डी. अकाउंट के माध्यम से उनके खाते में राशि का सीधा भुगतान/वितरण उपलब्धता अनुसार पारदर्शी प्रक्रिया से किया जा सकेगा। उक्त प्रणाली के लागू होने से प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की मंशा अनुसार मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस की अवधारणा को मूर्त रूप मिलेगा।

दिनदहाड़े सियागंज में महिला को चकमा देकर लूट

इंदौर। शहर में चकमा देकर लूट देने की घटनाएं लगातार बढ़ते जा रही है कोतवाली थाना क्षेत्र में एक महिला से बदमाश ने कहा कि पैसे नीचे गिर गए है, जैसे ही महिला पैसे लेने के लिए गई तो पर्स लेकर फरार हुआ नीतू नावरिया निवासी काजी पलासिया ने बताया कि सोमवार को दोपहर तीन बजे पति मनोहर के साथ सियागंज किराने का सामान खरीदने के लिए आई थी गाड़ी पंचर होने पर हमने होटल रंजीत के पास खड़ी की। पति पंचर जुड़वाने के लिए मुझसे 40 रुपये लेकर गए उनके जाने के बाद वहीं खड़ा एक व्यक्ति आया और बोला कि पति को जो पैसे दिए थे, वह गिर गए है। इसपर अपना पर्स कार में रखकर बाहर पैसे उठाने उतर गई। जब वापस कार में आई तो उसमें पर्स नहीं था। जिसमें लाखों रुपये के जेवरात और नकदी राशि रखी हुई थी जब थाने पर शिकायत करने के लिए पहुंचे तो पहले पुलिस ने उन्हें मना कर दिया। वहीं महिला मामले में लूट की धाराओं में प्रकरण दर्ज करवाना चाहती थी, लेकिन पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज किया है। एक ही दिन में दो थाना क्षेत्रों में बदमाशों ने पैसे गिरने की बात के बहाने चकमा दिया है। इसमें बदमाश पहले लोगों को निशाना बनाते हैं, इसके बाद कहते हैं कि आपके पैसे पीछे गिर गए है। जैसे ही वह पैसे उठाने के लिए जाते हैं, तो वह सामान चुराकर फरार हो जाते हैं।

इंदौर में मेट्रो को 80 हजार यात्री रोज चाहिए

दूसरे रूट पर ये मुश्किल, इसीलिए बंगाली वाले विकल्प की तैयारी

इंदौर (एजेंसी)। शहर में मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट तभी सफल माना जाएगा, जब मेट्रो को 80 हजार यात्री रोज मिलें। देश में दिल्ली सबसे सफल मेट्रो है, लेकिन वहां भी प्रोजेक्ट घाटे पर चल रहा है। इंदौर मेट्रो की डीपीआर में तय 31.32 किमी के रूट पर 3 से 4 लाख यात्रियों की राइडरशिप मानी जा रही है। रूट को लेकर किए जा रहे सर्वे की अंतिम रिपोर्ट भले ही अभी तैयार नहीं हो पाई हो लेकिन इसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में बंगाली वाले रूट को फायदेमंद माना गया है। डीपीआर के मुताबिक इस रूट पर वर्ष 2031 तक 4 लाख 58 हजार 487 यात्री मिलेंगे। वर्ष 2041 तक 6 लाख 10 हजार 213 और 2050 तक 8 लाख 96 हजार 97 यात्री मिलेंगे। इंदौर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अफसरों का कहना है कि रोबोट, कनाड़िया, पलासिया,

एमजी रोड शहर का सबसे व्यस्त मार्ग है। इस रूट पर अच्छी संख्या में यात्री मिलेंगे। यातायात बाधित होने की समस्या से भी निजात मिलेगी। किसी अन्य रूट पर इसे ले जाया जाता है तो प्रोजेक्ट लेट होने के साथ मेट्रो घाटे में जाएगी। कुछ महीने पहले भी एक सर्वे किया गया है, जिसमें कनाड़िया से राजबाड़ा वाले रूट पर सबसे ज्यादा यात्रियों की संख्या आंकी गई थी। इसीलिए यह लागत निकाली जा रही है कि अगर रोबोट चौराहा से आगे खजराना चौराहा, बंगाली चौराहा होते हुए कनाड़िया से एमजी रोड तक 5.5 किमी के हिस्से में भी मेट्रो को अंडरग्राउंड किया जाए तो घाटे का सौदा साबित नहीं होगा।

इंदौर में पहले चरण में 31.32 किलोमीटर का रूट तैयार किया जा रहा

पिछले दिनों संसदीय स्थाई समिति की रिपोर्ट में भी सामने आया था कि कई शहरों में मेट्रो घाटे में चल रही है। दिल्ली मेट्रो में रोजाना 65 लाख यात्री सफर करते हैं, फिर घाटे में रही। इंदौर में पहले चरण में 31.32 किमी का रूट तैयार किया जा रहा है। यह गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर, लवकुश चौराहा, बापट, विजय नगर, रेडिसन चौराहा, कनाड़िया होते हुए एमजी रोड और वहां से एयरपोर्ट तक जाएगा। गांधी नगर में ही मेट्रो का डिपो बनाया गया है। ट्रेन के 6 सेट आना हैं। इनमें से 5 सेट आ चुके हैं।

प्रशासन बड़ी कार्रवाई की तैयारी में

न्याय नगर की जमीन पर बने डेढ़ सौ घरों की नपती, रहवासियों का हंगामा

इंदौर (एजेंसी)। पूर्वी रिंग रोड पर एमआर-9 और एमआर-10 के बीच न्याय नगर की 7.87 एकड़ जमीन पर बने 150 मकानों की नपती प्रशासन ने की है। इनमें से 97 मकानों पर स्टे है। कार्रवाई हाई कोर्ट के आदेश पर होगी। सोमवार को यहां एसडीएम घनश्याम धनगर, तहसीलदार, आरआई, पटवारी नपती करने और निशान लगाने पहुंचे तो लोगों ने हंगामा किया। कई लोगों के आंसू बह निकले। उनका कहना था कि हमने तो रजिस्ट्री करवा ली थी। लोन लेकर मकान बनाया, अब कहां जाएंगे? मंगलवार को यहां कार्रवाई होना थी, लेकिन मोहर्रम होने और पुलिस बल की अनुपलब्धता के कारण कार्रवाई अगले सप्ताह संभव है। जिन्हें तोड़ना है, उन पर क्रॉस के निशान लगे, जहां स्टे वहां एस लिखा- जिन मकानों को तोड़ने के आदेश हैं, उन पर क्रॉस और जिन मकानों को स्टे मिला है, उन पर एस का निशान बनाया गया। रहवासी राहुल चौकसे ने बताया कि हम 12 साल से यहां रहे हैं। मकान की रजिस्ट्री भी है। 3 दिन पहले अधिकारी आए और मकान तोड़ने की बात कर रहे हैं। सुमन मालवीय ने बताया कि परिवार 10 साल से यहीं रह रहा है। आज तक कोई देखने नहीं आया। हम लोन की किस्तें भर रहे हैं।

तुलसी मालवीय ने बताया कि अब मकान तोड़ेंगे। अधिकारी तब कहां थे, जब मकान बन रहे थे? बिजली के बिल से लेकर जलकर और संपत्तिकर भी भरते आ रहे हैं। गलती हमारी नहीं है।

प्रशासन दस्तावेज भी ले चुका था

पूर्व कलेक्टर मनीष सिंह ने संस्था की न्याय नगर एक्सटेंशन कॉलोनी के सदस्यों के लिए शिविर लगाया था। पीड़ित सदस्यों के दस्तावेज लिए थे। इसमें भूखंड की रसीद, आवंटन-पत्र और रजिस्ट्री आदि शामिल हैं।

21 साल से चल रहा यह मामला

इस जमीन का मामला 21 साल से चल रहा है। न्याय विभाग कर्मचारी गृह निर्माण की 7.87 एकड़ जमीन तत्कालीन पदाधिकारियों ने श्री राम बिल्डर्स नाम की संस्था को बेच दी थी। मध्यप्रदेश शासन ने योजना 132 और 171 से संस्था की इस जमीन को मुक्त करने के आदेश जारी किए थे। 18 जुलाई 2017 को शासन ने आईडीए को श्रीराम बिल्डर्स को निजी विकास की अनुमति के लिए एनओसी देने के निर्देश दिए और फिर हाई कोर्ट ने इसके खिलाफ लगाई गई याचिका को खारिज कर दिया।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, बुधवार 17 जुलाई , 2024

संपादकीय | खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर अंकुश नहीं

भारतीय रिजर्व बैंक की कोशिश है कि खुदरा महंगाई को चार फीसद से नीचे लाकर स्थिर किया जा सके, मगर तमाम कोशिशों के बावजूद इस पर काबू पाना कठिन बना हुआ है। महंगाई के रुख को देखते हुए ही रिजर्व बैंक रेपो दर में बदलाव का कोई फैसला नहीं कर पा रहा है। काफी समय से बैंक दरें स्थिर बनी हुई हैं, जबकि उद्योग समूह चाहता है कि रेपो दर घटाई जाए। जून महीने में खुदरा महंगाई 5.08 फीसद दर्ज की गई, जो कि पिछले चार महीने का सबसे ऊंचा स्तर है। मई महीने में महंगाई का रुख कुछ नरम दिखा था, हालांकि रिजर्व बैंक को अंदाजा था कि जून और बरसात के महीनों में खुदरा महंगाई बढ़ेगी।

रिजर्व बैंक का मानना है कि बरसात के बाद महंगाई उतार पर होगी और तब इसे स्थिर रख पाना संभव होगा। मगर यह दावा कितना सही होगा, कहना मुश्किल है, क्योंकि पहले भी रिजर्व बैंक कई बार कह चुका है कि वह महंगाई को जल्दी ही काबू में ले आएगा। इस बार भी खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण हुआ है।दैनिक उपभोग की खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी पर अंकुश लगाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार खाद्य महंगाई बढ़ कर 9.36 फीसद पर पहुंच गई है, जो मई महीने में 8.69 फीसद थी। जून महीने में अनाज के दामों में 8.75 फीसद, फलों में 7.15 फीसद, सब्जियों के दामों में 29.32 और दालों की कीमतों में 16.07 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जमीनी स्तर पर आम उपभोक्ता को इससे कहीं अधिक बढ़ी हुई कीमतें चुकानी पड़ रही हैं।

बरसात के मौसम में तो कुछ कारण समझ

आते हैं कि बाढ़ और बारिश की वजह से माल ढुलाई में बाधा आने की वजह से कई जगहों पर उपभोक्ता वस्तुओं की आपूर्ति ठीक से नहीं हो पाती। कई इलाकों में पानी भर जाने से फलों और सब्जियों की फसल चौपट हो जाने के कारण भी उनकी कीमतों में बढ़ोतरी देखी जाती है। मगर जून के महीने में ऐसी स्थिति नहीं होती। आमतौर पर बाजार में गेहूं और दालों की नई फसल की उपलब्धता रहती है, इसलिए भी इनकी किल्लत का तर्क नहीं रखा जा सकता। रोजी-रोजगार के मोर्चे पर संकट के दौर से गुजर रहे लोगों के सामने अनाज, फल और सब्जियों की बढ़ती कीमतों की कैसी मार पड़ रही होगी, अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। महंगाई पर काबू न पाए जा सकने के पीछे बाजार और विपणन के प्रबंधन में व्यवस्थागत कमजोरियां बड़ा कारण हैं। रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाली जिन उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन अपने यहां भरपूर होता है, उन्हें सही ढंग से बाजार तक पहुंचाने की व्यावहारिक व्यवस्था अभी तक नहीं बन पाई है। उनकी जगह पर आयातित वस्तुएं बाजार में जगह बना लेती हैं, नहीं तो कोई कारण नहीं कि अक्सर किसानों को अपनी कच्ची फसलें सड़कों पर फेंकने को मजबूर होना पड़ता है। किसान मंडियों में महाजनों की मनमानी की शिकायत करते रहते हैं, पर फसलों की खरीद का व्यवस्थित इंतजाम करने पर ध्यान नहीं दिया जाता। पर्याप्त भंडारगृह और शीतगृहों के न होने से भी फसलें बाजार पहुंचने से पहले बर्बाद हो जाती हैं। जब तक खाद्य वस्तुओं के प्रबंधन पर समुचित ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक केवल बैंक दरों के जरिए महंगाई पर अंकुश लगाना कठिन बना रहेगा।

हार-जीत की कड़वाहट से अलग राजनीति में भाषा की मर्यादा जरूरी

राजनीति में दो विरोधी दलों का विचारधारा और मुद्दों के स्तर पर एक दूसरे के खिलाफ खड़े होना स्वाभाविक है। मगर वे भाषा के स्तर पर इस हद तक चले जाएं कि उससे उपजी कड़वाहट सामान्य व्यवहार और बोली तक को बुरी तरह प्रभावित करने लगे, तो यह निश्चित रूप से लोकतांत्रिक माहौल को भी बाधित करेगा। पिछले कुछ वर्षों से हमारे देश की राजनीति में ऐसा माहौल बन रहा है, जिसमें प्रतिद्वंद्वी दलों में मुद्दों पर उठी बात को उचित संदर्भ में देख-समझ कर एक परिपक्व राय या प्रतिक्रिया देने के बजाय दोनों पक्षों के समर्थक आपस में दुश्मन की तरह पेश आने लगते हैं।ऐसे में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक नई परिपाटी शुरू की है, जिसे कड़वाहट से भरी राजनीतिक दुनिया में एक नई बयार की तरह देखा जा सकता है। गौरतलब है कि अमेठी लोकसभा सीट पर चुनाव हारने के बाद से भाजपा नेता स्मृति ईरानी के लिए सोशल मीडिया पर कुछ अवांछित भाषा का प्रयोग हो रहा था। राहुल गांधी ने इसी संदर्भ में 'एक्स' पर लिखा कि जीवन में जीत और हार होती रहती हैज्मैं सभी से गुजारिश करता हूं कि वे स्मृति ईरानी या किसी अन्य नेता को लेकर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने से बचें। जाहिर है, मुद्दा आधारित राजनीति के बजाय आरोप-प्रत्यारोपों में घुलती असहिष्णुता जब विषैली भाषा के रूप में सामने आने लगे और संवाद तक की गुंजाइश खत्म होने लगे तो ऐसे में अपने राजनीतिक विरोधी नेताओं के प्रति इस तरह की उदारता वक्त की जरूरत है। मगर राहुल गांधी की इस टिप्पणी को सकारात्मक संदर्भ में लेने के बजाय भाजपा के एक नेता की ओर से जैसी नकारात्मक प्रतिक्रिया आई, उसे सद्भाव के विरुद्ध ही माना जाएगा। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि शीर्ष नेताओं की भाषा, उनके विचार और व्यवहार आम जनता के लिए एक स्तर पर सामाजिक-राजनीतिक प्रशिक्षण का काम करते हैं। नेता जैसा विचार जाहिर करते हैं, उनके समर्थकों का मानस भी वैसा ही बनता है। इस लिहाज से अपने राजनीतिक प्रतिपक्षी नेताओं के लिए शालीन भाषा का प्रयोग करने की राहुल गांधी की सलाह सद्भाव आधारित राजनीति और लोकतांत्रिक माहौल को मजबूत करने की कोशिश है।

आज का कार्टून

हमें जाति-जनगणना की नहीं कौशल जनगणना की जरूरत

जाति अंग्रेजों द्वारा बनाई गई और अतार्किक है। वर्ण तार्किक और व्यवसाय पर आधारित था। प्रत्येक वर्ण का अपना धर्म संविधान होता था, जिसमें चरित्र और प्रतिबद्धता होती थी। ब्राह्मण ज्ञान प्राप्त करते थे और ज्ञान का प्रसार करते थे। कृपया चंद्र बाबू नायडू के संदेश को तिरुपति बालाजी द्वारा विपक्ष को भेजे गए संदेश के रूप में देखें। वे चंद्र बाबू नायडू को 'इंडिया' गठबंधन में चाहते थे। अब उन्हें चंद्र बाबू नायडू की कौशल जनगणना का समर्थन करना होगा। यह उस संदर्भ में अधिक उपयुक्त है, जिसमें चंद्र बाबू नायडू ने यह नरेटिव बेहतरीन पेश किया और विपक्ष पूरी तरह से नैतिक रूप से हार गया। इसका कारण यह है कि वे भाजपा के मुख्यमंत्री नहीं हैं। वे संघ परिवार से भी नहीं जुड़े हैं। यह उनका मूल नरेटिव है जो सदियों पुरानी जाति व्यवस्था को हल कर सकता है। युवा इस जाति सिंड्रोम से बाहर आना चाहते हैं। आइए संसद में बहस करें। हम चंद्र बाबू नायडू महान के साथ हैं। हमारी पाठ्य पुस्तकों में अब अकबर महान नहीं है।

एस. सुंदर राजन

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू योग्यता के आधार पर अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर हैं। हमने 1990 के दशक में उनके प्रशासन को देखा है। जब आंध्र प्रदेश अविभाजित था, उस समय आंध्र प्रदेश की सड़कें गुणवत्तापूर्ण और उत्तम दर्जे की हुआ करती थीं। हम हमेशा आंध्र प्रदेश की सड़कों की तुलना कर्नाटक से करते थे। आंध्र प्रदेश का अवैज्ञानिक विभाजन बचे हुए आंध्र प्रदेश के लिए घातक था। इंद्रप्रस्थ (नई दिल्ली) की सरकार आंध्र प्रदेश की दयनीय आर्थिक स्थिति के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है। आप कल्पना कीजिए, यह मेरी इच्छा नहीं है, अगर हम कर्नाटक को उत्तर और दक्षिण में विभाजित करते हैं तो उत्तर कर्नाटक को अगले 50 वर्षों तक नुकसान उठाना पड़ेगा।

मैं भारतवर्ष को उत्तर और दक्षिण 2 भाग में विभाजित करना चाहता हूं, ताकि देश की एकता, अखंडता और प्रगति में इन 2 क्षेत्रों के योगदान को समझा जा सके। हजारों वर्षों से उत्तर ने योद्धा और राजनेता पैदा किए हैं। इसी तरह दक्षिण ने बुद्धिजीवियों को जन्म दिया है। योद्धाओं और बुद्धिजीवियों का यह संयोजन प्राचीन दुनिया में लगातार सफल राजवंशों और भारतवर्ष की आधुनिक दुनिया में सरकारों द्वारा हासिल किया गया संतुलन है, जिसे हमारे अज्ञानी लोग इंडिया, भारत और हिंदुस्तान कहते हैं। जब भी योद्धाओं और बुद्धिजीवियों के बीच असंतुलन होता है, अराजकता फैलती है और बाहरी दुनिया स्थिति का फायदा उठाती है। जब उत्तर और दक्षिण के बीच राज्यों की पहचान की बात आती है, तो हमारा आर्थिक वर्ग, राजनीतिक वर्ग और मुख्यधारा का मीडिया भी दक्षिण को केवल केरल, तमिलनाडु, पांडिचेरी, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक तक सीमित कर देता है। ये अज्ञानी लोग महाराष्ट्र को दक्षिण से

अलग करते हैं। मैं महाराष्ट्र को दक्षिणी क्षेत्र का हिस्सा मानता हूं। अगर हम महाराष्ट्र को नजरअंदाज करेंगे तो हम योद्धा वर्ग की कमी को नहीं भर पाएंगे। दक्षिणी क्षेत्र में राष्ट्रीयता की बात करें तो महाराष्ट्र पहले स्थान पर है।

शरद पवार आज कमजोर हो सकते हैं। जिस दिन प्रधानमंत्री की नियुक्ति होनी थी, उस दिन शरद पवार ने सबसे पहले सोनिया गांधी की उम्मीदवारी का विरोध किया था। आंध्र प्रदेश ने 2 बेहतरीन राजनेता दिए हैं, एक हैं पी.वी. नरसिम्हा राव और दूसरे हैं वर्तमान चंद्रबाबू नायडू। पी.वी.एन. ने उस समय के हमारे बेहतरीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह को मौका दिया। उन्होंने किसी गुट की बात नहीं मानी। आज पूरा विपक्ष अपने चुनावी फायदे के लिए लोगों को जाति के आधार पर बांटने की साजिश कर रहा है। अगर हम चंद्रबाबू नायडू के नजरिए का सम्मान नहीं करेंगे तो हम जहाज से चूक जाएंगे। हमारी समृद्धि की गाड़ी इन अराजकतावादियों के कारण पटरी से उतर जाएगी। अगर हमारे मुस्लिम भाई-बहन सोचते हैं कि सनातन समाज में अराजकता पैदा करके वे समृद्ध हो सकते हैं तो यह उल्टा होगा। आपकी आजीविका सनातन समाज से जुड़ी हुई है। जब हम अपने धार्मिक स्थलों की तीर्थ यात्रा करते हैं तो वहां मुस्लिम ड्राइवर होते हैं। वहां मुस्लिम फूल विक्रेता होते हैं। कपूर, अगरबत्ती और अन्य सामानों के मुस्लिम निर्माता होते हैं। आप सांस्कृतिक रूप से एक निष्पक्ष सनातनी/हिंदू और धार्मिक रूप से मुसलमान हैं। यदि इस्लाम आपकी समृद्धि की गारंटी दे सकता है, तो अफगानिस्तान और पाकिस्तान में आर्थिक उथल-पुथल क्यों है। वे एक दिन में 2 भोजन नहीं जुटा पा रहे हैं। अयोध्या में राम मंदिर के बनने से हमारे मुस्लिम भाई भी समृद्ध होंगे क्योंकि यहां आने वाले लोगों की संख्या बढ़ेगी और वस्तुओं और सेवाओं की मांग बढ़ेगी। इस मंदिर द्वारा संचित धन का कुछ हिस्सा शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना के लिए भी इस्तेमाल किया जाएगा। हमारे लिए मंदिर आस्था के अलावा आर्थिक केंद्र भी हैं। आइए हम जाति जनगणना के मुख्य पहलू पर आते हैं जैसा कि हमारे आधुनिक राजनेता बताते हैं। इस पहलू पर विचार करने से पहले हमें उस आधार को संबोधित करना होगा जिस पर उन दिनों जाति खड़ी थी। हम इसे वर्ण कहते थे, जाति नहीं। जाति अंग्रेजों द्वारा बनाई गई और अतार्किक है। वर्ण तार्किक और व्यवसाय पर आधारित था। प्रत्येक वर्ण का अपना धर्म संविधान होता था, जिसमें चरित्र और प्रतिबद्धता होती थी। ब्राह्मण ज्ञान प्राप्त करते थे और ज्ञान का प्रसार करते थे। कृपया चंद्र बाबू नायडू के संदेश को तिरुपति बालाजी द्वारा विपक्ष को भेजे गए संदेश के रूप में देखें। वे चंद्र बाबू नायडू को 'इंडिया' गठबंधन में चाहते थे। अब उन्हें चंद्र बाबू नायडू की कौशल जनगणना का समर्थन करना होगा। यह उस संदर्भ में अधिक उपयुक्त है, जिसमें चंद्र बाबू नायडू ने यह नरेटिव बेहतरीन पेश किया और विपक्ष पूरी तरह से नैतिक रूप से हार गया। इसका कारण यह है कि वे भाजपा के मुख्यमंत्री नहीं हैं। वे संघ परिवार से भी नहीं जुड़े हैं। यह उनका मूल नरेटिव है जो सदियों पुरानी जाति व्यवस्था को हल कर सकता है। युवा इस जाति सिंड्रोम से बाहर आना चाहते हैं। आइए संसद में बहस करें। हम चंद्र बाबू नायडू महान के साथ हैं। हमारी पाठ्य पुस्तकों में अब अकबर महान नहीं है।

छात्रों को किफायती मैडीकल कॉलेज दरकार हैं...

डा. वरिन्द्र भाटिया

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने विवादों से घिरी मैडीकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यू.जी.' 2024 को रद्द करने की अर्जी पर सुनवाई करते हुए सख्त रूप अपनाया है। माननीय सी.जे.आई. चंद्रचूड़ जी ने कहा, ''पेपर लीक पर विवाद नहीं किया जा सकता। हम इसके परिणामों पर भी विचार कर रहे हैं। हम एक आदर्श दुनिया में नहीं रहते हैं, लेकिन दोबारा परीक्षा पर निर्णय लेने से पहले हमें हर पहलू पर गौर करना होगा क्योंकि हम जानते हैं कि हम 23 लाख छात्रों के भविष्य की बात कर रहे हैं।''

माननीय सुप्रीम कोर्ट की प्रवेश परीक्षाओं को लेकर टिप्पणी अत्यंत संजीदा है और यह हमारे छात्रों के भविष्य को लेकर ड्क्षचताओं की अभिव्यक्ति भी करती नजर आ रही है। प्रवेश परीक्षाओं के पेपर लीक होने के कारण छात्रों और अभिभावकों का विश्वास क्यों डोल रहा है इससे जुड़े कुछ तथ्य विचारणीय हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की भारत रोजगार रिपोर्ट 2024 के अनुसार, देश की युवा आबादी (15-29 वर्ष की आयु) में बेरोजगारों की संख्या 83 प्रतिशत है और उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे अधिक आबादी वाले राज्यों के बेरोजगारों की संख्या 'बहुत खराब' है। संयोग से ये राज्य पेपर लीक के मामले में सबसे अधिक संवेदनशील हैं। बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे ड्क्षहदी भाषी राज्यों में पेपर लीक की बढ़ती समस्या काफी हद तक स्थिर आर्थिक माहौल का प्रतिबिंब है, जहां रोजगार के अवसर सीमित हैं।

देश के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्से के राज्यों की तुलना में इन राज्यों में कोई समृद्ध औद्योगिक क्षेत्र नहीं है, जहां निजी क्षेत्र रोजगार प्रदान करने में आगे आ सकता है। इन राज्यों में पेपर लीक के मूल में इनकी कमजोर अर्थव्यवस्था है, जो पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण रोजग़ार के अवसर पैदा करने में विफल हो रही है, जिससे सरकारी नौकरियों की मांग बढ़ रही है। पिछले 5 साल में उत्तर प्रदेश से पेपर लीक की 8, राजस्थान और महाराष्ट्र से करीब 7-7 और बिहार से पेपर लीक की 6 खबरें सामने आई हैं, जिसमें 2023 के कांस्टेबल और शिक्षक भर्ती परीक्षा भी शामिल हैं। गुजरात और मध्य प्रदेश में करीब 4 मामले सामने आए हैं।

पेपर लीक कांड का एक कारण देश में मैडीकल कॉलेज कम होना भी है। देश में मैडीकल शिक्षा की आपूर्ति की बात करें तो इस वक्त मैडीकल शिक्षा जैसे स्ट्रीम पर बहुत ज्यादा बोझ है क्योंकि अन्य विकल्प जो नए जमाने की स्किल प्रदान कर सकते हैं और युवाओं को डिजिटल मार्कीटिंग और हॉस्पिटैलिटी जैसे नए उद्योगों में रोजगार योग्य बना सकते हैं, जो अभी तक पर्याप्त संख्या में नहीं खुले हैं। नीट जैसे मामलों का पैदा होना इसी मांग और आपूर्ति में फासले के कारण भी है।

आजादी के बाद से ही सरकारी कॉलेजों में एम.बी.बी.एस. सीटों के लिए विशेष रूप से अभूतपूर्व मांग रही है। इसलिए, जब कथित पेपर लीक का मुद्दा सामने आया है तो , तो इसने भारत में मैडीकल एजुकेशन के सामने आने वाली चुनौतियों और एन.टी.ए. के भीतर के मुद्दों की ओर ध्यान आर्ज़षित करना तर्क संगत है सरकारी डेटा पिछले एक दशक में मैडीकल कॉलेजों और एम.बी.बी.एस. सीटों दोनों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार मैडीकल कॉलेज 2014 से पहले 387 से बढ़कर वर्तमान में 706 हो गए हैं, जबकि एम.बी.बी.एस. सीटें 51,348 से बढ़कर 1,08,940 हो गई हैं। इस विस्तार के बावजूद, नीट एस्पिरेंट्स की संख्या लगातार उपलब्ध सीटों की संख्या से अधिक रही है, जिसमें 2021 में आवेदकों की संख्या 16.14 लाख से बढ़कर इस साल 23.33 लाख हो गई है, जो मांग और आपूर्ति के बीच लगातार अंतर को दर्शाता है।

दूसरी समस्या देश में किफायती निजी मैडीकल एजुकेशन की कमी है, जो छात्रों को नीट परीक्षाएं बार-बार देने के लिए मजबूर करती है नीट के हर सत्र में 30 प्रतिशत उम्मीदवार दोबारा आते हैं, क्योंकि 95 प्रतिशत माता-पिता निजी कॉलेजों में मैडीकल एजुकेशन का खर्च नहीं उठा सकते हैं। आप सरकारी कॉलेजों में 5 लाख रुपए में एम.बी.बी.एस. पूरा कर सकते हैं, जबकि निजी कॉलेजों में फीस 1 करोड़ रुपए तक हो सकती है। क्यों न राज्य सरकारों को अपने राज्यों में सरकारी और किफायती निजी मैडीकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने की अनुमति दी जाए? इससे छात्रों का थर्ड क्लास देशों में डाक्टरी की शिक्षा लेने जाना तो कम होगा!

मैडीकल कॉलेजों का असमान वितरण भारत में मैडीकल कॉलेज शहरी क्षेत्रों में केंद्रित हैं जो ग्रामीण क्षेत्रों में एक शून्य उत्पन्न करता है। निजी मैडीकल कॉलेजों का अधिक शुल्क, सरकारी संस्थान शुल्क और शिक्षा गुणवत्ता के मामले में अधिक किफायती हैं। भारत में कई मैडीकल कॉलेजों का पाठ्यक्रम पुराना है और वर्तमान चिकित्सा पद्धतियों के अनुरूप नहीं है।

असंतोष का भाव ही अभाव का कारण...

वंदना सेन

किसान के मन में अगर संतोष है, तो वह सबसे ज्यादा अमीर है। इसी सिरे से यह भी कहा जा सकता है कि अगर व्यक्ति के मन में शांति है तो वह सबसे ज्यादा सुखी है। इसी तरह अगर किसी के मन में दया है तो वह श्रेष्ठ है और अगर वह स्वस्थ है तो भाग्यशाली है। ये सब बातें केवल कहने या पढ़ने मात्र के लिए नहीं हैं, बल्कि जीवन जीने का एक ऐसा मंत्र हैं, जो व्यक्ति की निराशा में आशा का संचार करती हैं। इन विचारों की व्याख्या की जाए तो यही कहा जा सकता कि व्यक्ति अगर दूसरे के जैसा होने का प्रयास करेगा, तो उसके जीवन में असंतोष का भाव निर्मित होगा।

यह असंतोष का भाव ही अभाव का कारण बनता है, क्योंकि अपने मन में उपजी हर इच्छा को कई सीमाओं की वजह से पूरा करना संभव नहीं हो पाता है। इसके बाद जब अभाव का प्रभाव जीवन पर होता है, तब निराशा आती है। कहते हैं, जितनी बड़ी चादर होती है, उतना ही पैर पसारना चाहिए। यानी व्यक्ति की जितनी आय है, उतने में ही काम चलाना चाहिए। अगर हम अपनी आय से अधिक खर्च करते हैं, तो जीवन में कई प्रकार की समस्याएं बिना बुलाए ही आ जाएंगी। दुनिया में बहुत सारे लोग हैं, लेकिन सबके काम अलग-अलग प्रकार के हैं। मसलन, एक कक्षा के सभी विद्यार्थी आगे चलकर एक जैसे अधिकारी या कर्मचारी नहीं बनते। उनमें से कोई कलेक्टर या जिलाधिकारी बनता है, तो उन्हीं में से कोई चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी भी बनता है। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि युवा पढ़ाई के समय परिश्रम करता है, उसे बाद में आराम मिलता है और जो पढ़ाई के समय लापरवाही करता या मौज-मस्ती करता है, उसे बाद में परिश्रम करना पड़ता है।

माना जाता है कि जीवन में दो अवस्थाएं होती हैं। व्यक्ति के जीवन में अच्छे दिन भी आते हैं और बुरे दिनों का भी सामना करना होता है। बुरे दिन यानी अभाव का दौर, जिसमें खुद को बचाने के लिए केवल परिश्रम करना पड़ता है। यों युवा अवस्था परिश्रम करने के दौर के रूप में देखी जाती है। इस दौर में परिश्रम नहीं किया तो भविष्य में उसे परिश्रम करने के लिए तैयार रहना ही होगा। अगर हमारा पेट दस रुपए में भर जाता है तो उसके लिए पचास रुपए व्यय करने की इच्छा करना उचित नहीं। इसलिए कहा जाता है, संतोष जीवन का सबसे बड़ा धन है। जिसके पास संतोष है, वह सबसे बड़ा अमीर है, क्योंकि व्यक्ति की इच्छाओं का कोई अंत नहीं होता। यह सही है कि किसी चीज की इच्छा करने से ही वह प्राप्त होती है। मगर क्या उसकी कोई सीमा होगी? आज एक इच्छा पूरी हुई तो कल दूसरी इच्छाएं पैदा हो जाएंगी। एक बात जरूर ध्यान रखना चाहिए कि कुदरत का दिया हुआ कभी अल्प नहीं होता। हमारी इच्छाएं उसे अल्प बना देती हैं।

इसी प्रकार अशांत मन दुख को बढ़ावा देता है। जीवन में जितने भी तनाव आते हैं, उसके पीछे का मुख्य कारण मन की अशांति ही है। हमारे मन के किसी कोने में सुख और दुख दोनों ही विद्यमान रहते हैं, जो अलग-अलग परिस्थितियों के मुताबिक उभरते हैं। किसी वस्तु के प्रति बेलगाम आसक्ति अशांति लाती है। खासतौर पर तब, जब वह अप्राप्य हो। वर्तमान में अशांत मन को शांत करने के लिए व्यक्ति अनेक प्रकार के प्रयत्न कर रहा है, लेकिन उसे शांति नहीं मिल रही। दरअसल, ज्यादातर लोगों के जीवन में भटकाव है। लोगों ने स्थिरता को एक तरह से भुला दिया है या उन्हें भूलना पड़ा है। इससे निवृत्ति के लिए योग का सहारा लेना पड़ रहा है। अगर मन की शांति चाहिए तो सबसे पहले अपने विचारों को सात्विक करना होगा। ऐसा करने से सकारात्मक दिशा का बोध होगा, जो जीवन को सार्थकता प्रदान करेगा। ऐसा करने के लिए हमको सबसे पहले अपनी दिनचर्या को ठीक करना होगा। यह जीवन को व्यवस्थित करेगा। इस दिनचर्या में स्वकेंद्रित जीवन के मुकाबले सबके हित के बारे में सोचना और अपनी बनाई चारदीवारी से बाहर आना होगा। मन को शांत रखने के लिए संतोष को माध्यम बनाने से लेकर एकांत और विचार का रास्ता अपनाया जा सकता है। कुछ रास्तों से मिली शांति ही सुख का जरिया बनेगी।

अपने मन को निर्मल बनाने के लिए हमें दूसरों के दुख को महसूस करने की जरूरत है। हमारे अंदर दया का भाव होगा तो हम एक गरीब व्यक्ति का हौसला बढ़ाने का कार्य कर सकते हैं। आज व्यक्ति को 'मैं' में घिरे भाव ने बुरी तरह घेर लिया है। यह 'मैं' अहंकार लाता है। हमको व्यक्ति-केंद्रित सोच के मुकाबले सामूहिकता की तरफ कदम बढ़ाना होगा। जब 'हम' का बोध होगा, तो यहीं से हमको समाज भी अपना दिखाई देगा। यह वास्तविकता है कि हम अकेले नहीं हैं। हम एक बड़े समाज के हिस्सा हैं। हमारी पहचान समाज ही कराता है, लेकिन आज का व्यक्ति समूह में जीना नहीं चाहता। अगर समूह में जिएगा तो उसे हमेशा यह अहसास होगा कि संगठन में शक्ति है। अकेलापन व्यक्ति को भय से ग्रस्त कर दे सकता है।

NEET paper leak case: CBI arrested 2 more accused

With the arrest of two more persons including a mastermind from Patna and Hazaribagh, CBI on Tuesday claimed that the one of the accused is the key conspirator of NEET-UG paper leak case. Those arrested were identified as--Pankaj Kumar alias Aditya and Rajkumar Singh alias Raju. Pankaj, a 2017-batch civil engineer from the National Institute of Technology (NIT) Jamshedpur, was arrested from Patna while his aide Raju Singh arrested from Hazaribagh. CBI officials claimed that Pankaj alias Aditya is bigger player than Rajesh Ranjan alias Rocky who was arrested on July 11 from Dhanbad. Official familiar with the matter told media that Pankaj, a resident of Bokaro in Jharkhand, stole the question paper from a National Testing Agency's (NTA) trunk in Hazaribagh and distributed to other members of the gang. Raju Singh allegedly helped Pankaj in stealing the paper, distributing them to other gang members. During interrogation the arrested accused confessed that they committed the crime in order to earn money. Raju runs a guest house at Ram Nagar Chowk at Hazaribagh. Some of the aspirants reportedly stayed in the guest house and were in touch with arrested Oasis school principal and vice principal. CBI sealed the guest house till further order. Both the arrested accused will be produced before the special CBI court in Patna and probe agency will take them on remand for further interrogation.

IGNOU July 2024 : last date extended to apply for fresh admission, re-registration till July 31

The Indira Gandhi National Open University (IGNOU) has extended the last date to apply for fresh admission and re-registration for all the courses offered under the online and ODL mode for the July 2024 session. According to the notification, the new deadline is July 31. Interested and eligible candidates can visit the official website and register themselves for new ODL and online mode courses of IGNOU at the official website –ignou.ac.in. Candidates must note that the size of their photograph and signature documents must be less than 100 KB, While the other mentioned documents must not exceed more than 200 KB. The IGNOU official website, also states that the scanned file must be from the original documents. For fee payment, candidates must make use of credit card, debit card and online payment methods. Students must save their application and successful fee payment screenshots for further reference. If a candidate requests for cancellation of their enrollment in programmes after 60 days of closing of the admission portal, the fee will not refunded. In an earlier notice, the varsity cautioned students and said, “In case online payment made by you does not get updated, please do not make the second payment immediately. Please wait for a day, check the payment status and then decide”.

CUET UG 2024 Re-test Admit Card Out, Exam On July 19

The National Testing Agency (NTA) has issued the admit card for the Common University Entrance Test (CUET) UG 2024 re-test scheduled for July 19. The re-test is being conducted for 1,000 students who raised concerns about several errors in the provisional answer key and submitted their grievances. Candidates can obtain admit cards by visiting the official website exams.nta.ac.in/CUET-UG. The admit card contains crucial information such as exam timing, venue details, and exam day instructions. Candidates are advised to carry their hall tickets to the exam centres. Initially conducted in a hybrid format (CBT and Pen & Paper), the CUET UG 2024 re-exam will now solely be conducted in a computer-based testing (CBT) mode. Over 13.38 lakh candidates appeared for the CUET exam on various dates in May 2024. The results are expected to be announced by July 22.

Indore inaugurates the Center on Narmada River Basin Management

Indore. IIT Indore inaugurated the Centre for Narmada River Basin Management Studies on July 14, 2024, as part of the project for the ‘Narmada River Basin Management’ from ‘Ministry of Jal Shakti’. The inauguration was done by Dr. Sameer V. Kamat, Secretary, Department of Defence R&D and Chairman DRDO. Dr. K. Sivan, Chairperson, BOG IIT Indore, Prof. Suhas S. Joshi, Director, IIT Indore and Prof. Vinod Tare, IIT Kanpur were also present during the inauguration.

The Centre would be working on the project wherein mapping of the entire basin of about 1,000 kms of Narmada River in the state of Madhya Pradesh will be done. A prototype in the form of 3-D model of Narmada River Basin was also presented that helped illustrate various complexities and challenges in mapping as well as protecting the basin environment. Various scientific studies done on Narmada Basin were also demonstrated to the dignitaries.

Dr. Kamat appreciated the efforts of IIT Indore team of faculty members Prof. Preeti Sharma, Prof. Kiran Bala and Prof. Mayur Jain led by Prof. Manish Goyal on their efforts in contributing to the Narmada River Basin and thereby evolving an ecosystem for water management in the State of Madhya Pradesh. Dr. Sivan highlighted the importance on working for the betterment of the society and said that projects like these would directly help the society in terms of environment restoration as well as commercial river activities. Professor Vinod Tare, IIT Kanpur, who pioneered the ‘Namami Ganga’ project, highlighted the importance of integrated river basin management and the need for sustainable practices to preserve the Narmada River’s health. He also emphasized on the need of scientific evidence for making policies. Prof. Manish Goyal, faculty member leading the project as well as the workshop at IIT Indore said “The open discussion provided a platform for all participants to share their insights and collaborate on devising a way forward for sustainable management of the Narmada River Basin.” Prof. Joshi said “We will be bringing together experts, practitioners, and academicians, to foster a collaborative environment to address the pressing issues facing the Narmada River Basin. We need to have integrated management approaches and the active involvement of local communities to preserve this vital water resource.”

The Institute also hosted a one-day workshop to shed light on the critical issues faced by the Narmada River Basin and to discuss potential solutions through expert lectures and collaborative discussions. The workshop focussed on Communitarian Ecosystem Restoration in the Narmada River Basin with special reference to Alirajpur district, Community-led Campaign to Revive Narmada, Importance of Forest Commons in the Narmada Basin, Water Conservation, Rainwater Harvesting & Groundwater Rejuvenation Activities and Environmental Concerns in the Narmada River Basin.

CLAT 2025 : Registration Closes On October 15, Exam On December 1

The Consortium of National Law Universities invites applications for the Common Law Admission Test (CLAT) 2025. This esteemed exam is the gateway to undergraduate and postgraduate law programs offered by 24 National Law Universities (NLUs) and other participating institutes across India. Registration opened on July 15, 2024, and closes on October 15, 2024. The exam will be held on December 1, 2024, from 2:00 PM to 4:00 PM.

About CLAT Exam:

CLAT 2025 is a 2-hour test for undergraduate candidates, consisting of 120 multiple-choice questions, each carrying 1 mark. Negative marking of 0.25 marks will be applied for incorrect answers. The exam assesses proficiency in English language, current affairs, general knowledge, logical reasoning, legal reasoning, and quantitative techniques. Postgraduate candidates will face a comprehensive paper covering constitutional law, jurisprudence, family law, criminal law, property law, administrative law, law of contract, torts, company law, public international law, tax law, environmental law, and labour and industrial law.

About Participating Universities:

The participating NLUs for CLAT 2025 include two premier institutes situated in Madhya Pradesh i.e., NLIU Bhopal and DNLU Jabalpur. Both the institutes offer reservation to the students with Madhya Pradesh domicile and state scholarship benefits to the students. Other esteemed institutions like NLSIU Bengaluru, NALSAR Hyderabad, WBNUJS Kolkata, NLU Jodhpur, GNLU Gandhinagar, GNLU, Silvassa Campus, RMLNLU Lucknow, CNLU Patna, NUSRL Ranchi, HNLU Raipur, RGNUL Punjab, DBRANLU Haryana, NUALS Kochi, NLUO Odisha, NLUJA Assam, DSNLU Visakhapatanam, TNNLU Tiruchirappalli, MNLU Mumbai, MNLU Nagpur, MNLU Aurangabad, HPNLU Shimla, and NLUT Agartala, etc also participate in CLAT 2025. This examination offers a unique opportunity for aspiring law students to secure admissions to premier legal education institutions. The Consortium encourages all eligible candidates to take advantage of this opportunity and wishes them success in their CLAT 2025 journey. For further information and updates, candidates are advised to visit the official CLAT website and stay tuned to official announcements.

Bharti Airtel Foundation launches scholarship programme for Engineering students

To commemorate its 25-year anniversary, Bharti Airtel Foundation, the philanthropic arm of Bharti Enterprises, has announced the launch of the 'Bharti Airtel Scholarship Program’. This merit-cum-means scholarship aims to support deserving students from diverse socio-economic backgrounds with a focus on female students, the foundation said in a press release. Undergraduate students pursuing technology-based Engineering courses and students of five-year integrated courses in the top 50 NIRF colleges are eligible for the scholarship. Another criterion for the scholarship is that the annual income of the family of the candidate should not be more than 8.5 lakh. To know more about the scholarship, visit the official website of the foundation at bhartifoundation.org/bharti-airtel-scholarship

“Starting this year with 250 students, the Program is designed to scale up incrementally with its successful implementation through each cohort. The ambition is to expand reach to 4,000 scholars with an outlay of ?100+ cr per year as the Program reaches its peak,” the foundation said. The scholarship will cover 100 per cent of the college fees throughout the entire duration of the course. Other benefits include a laptop and fees for the hostel and mess. Rakesh Bharti Mittal, Vice Chairman of Bharti Enterprises and Co-Chairman of Bharti Airtel Foundation said, “As we reflect on the last 25 years, the Bharti Airtel Foundation is proud to have touched 6 million+ lives through our educational initiatives. With this pioneering Bharti Airtel Scholarship Program, we are expanding our commitment to empower students from diverse socio-economic backgrounds, particularly girl students, to achieve academic excellence and pursue their dreams….”

JoSAA Counselling 2024: Final Seat Allotment Result For IITs, NITs To Be Out Today

The Joint Seat Allocation Authority (JoSAA) will announce the results for the final round 5 of JoSAA counselling 2024 for admissions to the Indian Institutes of Technology (IITs) and the National Institutes of Technology (NITs) on July 17. The IIT course-specific admission results will be released by 5 pm. Candidates can check their results by visiting the official website, josaa.nic.in. Those who are allotted seats are required to pay their fees and submit the required documentation by the specified deadline to confirm their admission. If candidates fail to submit the documents by the deadline, the allocated seat will be cancelled, despite the payment of the 'Seat Acceptance Fee' in advance. "The allotted seat will be cancelled if the candidate does not upload required documents within the deadline, even if they have paid the 'Seat Acceptance Fee' using the prepayment provision," states the official website. IITs will decide the number of additional seats available in various programs. They are required to ensure that at least 20% of undergraduate enrollments are female students. First-year classes will begin by July 30, although some IITs may start classes after August 1. Usually, the academic year commences in July and ends in June. After the announcement of JoSAA round 5 counselling seat allotment results, candidates will have to self-report to IITs and the NIT by 5 pm on July 22. They must also upload documents and pay fees by the same deadline as late applications will not be accepted. The last date to respond to queries is July 23. The facility to withdraw seats in the NIT+ system will be available from July 17 to 23.

कैमलिन के प्रमुख सुभाष दांडेकर का निधन

स्याही बनाने वाली कंपनी को बना दिया था ग्लोबल ब्रांड

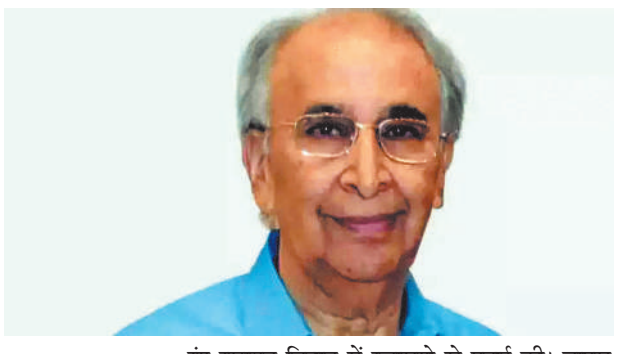

नईदिल्ली, एजेंसी। जाने-माने स्टेशनरी ब्रांड कैमलिन के प्रमुख सुभाष दांडेकर का सोमवार को निधन हो गया। दांडेकर पिछले कुछ दिनों से बीमार थे और हिंदुजा अस्पताल में भर्ती थे। उनका मध्य मुंबई में अंतिम संस्कार कर दिया गया। उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए गुरुवार को एक शोक सभा आयोजित की जाएगी। दांडेकर ने जापान की कंपनी कोकुयो को अपना लोकप्रिय ब्रांड बेच दिया था और उसके बाद से वह कोकुयो कैमलिन के मानद चेयरमैन के रूप में काम कर रहे थे। उनके परिवार में एक बेटा और एक बेटी है। उनके निधन पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने कहा कि राज्य ने एक ऐसा दिग्गज खो दिया है, जिसने मराठी उद्योग जगत को प्रसिद्धि दिलाई।

कैमलिन की स्थापना 1931 में सुभाष दांडेकर के पिता डीपी दांडेकर और उनके भाई जीपी दांडेकर ने की दांडेकर एंड कंपनी के रूप में की थी। कंपनी ने सबसे पहले हॉर्स ब्रांड इंक बनाई। इसे स्याही पाउडर के रूप में बेचा जाता था। साल 1947 में कंपनी ने चॉक, स्टांप पैड और गोंद के बाजार में भी एंट्री मारी। इसके बाद 1960 के दशक में सुभाष दांडेकर ने कंपनी को ऊंचाई पर पहुंचा दिया। सुभाष दांडेकर ने रंग रसायन विज्ञान में ग्लासगो से पढ़ाई की। वापस लौटने के बाद उन्होंने एक लैब बनाई और भारतीय बाजार के अनुरूप रंग तैयार करने का काम शुरू किया। 1962 में उन्होंने आर्ट मार्केट में एंट्री मारी।

साल 1974 में कंपनी ने वूडन पेंसिल लॉन्च की और 1987 में बीएसई में लिस्ट हुई। इसके दो साल बाद 1989 में कैमलिन ने जापान की पायलट कंपनी के साथ टेक डील की। साल 2012 में दांडेकर ने कंपनी में मैज्योरिटी हिस्सेदारी कोकुयो को बेच दी। जापानी कंपनी ने 366 करोड़ रुपये में 50.74 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी। उस समय कैमलिन के 2,000 से ज्यादा प्रॉडक्ट्स बाजार में थे। सुभाष दांडेकर ने कैमलिन ब्रांड को देश-विदेश में पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वह 1990 से 1992 तक महाराष्ट्र चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष भी रहे।

Study Abroad: Top 5 Universities For Medical Education

Medical education is crucial for the healthcare sector, serving as the cornerstone for saving lives from fatal diseases. In India, aspiring students aim for prestigious medical colleges through exams like NEET UG, securing subsidised education and jobs in government institutions. On the other hand, those with economic advantages target the world's top universities for their medical studies.

Here Are The World's Top 5 Colleges For Life Sciences And Medicine Based On QS Rankings 2024:

Harvard University:

Harvard University remains the top-ranked university globally for life sciences & medicine. It is one of six American universities in the top 10 this year. Harvard accepts applications through the Common Application, Coalition Application, or Universal College Application, with no preference for any particular method. The application includes forms, essay questions, teacher evaluations, transcripts, and standardized test scores (SAT subject tests and ACT or writing component).

University of Oxford:

Oxford is the second-best university for studying life sciences & medicine. The application period usually runs during the autumn for the following academic year. Applicants must register for a test and may need to submit written work along with the UCAS form. Shortlisted candidates are invited to interviews, with decisions usually communicated by the end of the calendar year. Around 17% of applicants are international, and there are no quotas for international students, except in the medicine program.

Johns Hopkins University:

Ranked third, Johns Hopkins University is a private research university in Maryland. It offers various degree courses in life sciences and medicine. Applicants are required to submit SAT scores, a mid-year report, two teacher evaluations, and, for international students, TOEFL or IELTS scores along with an international certification of finances form and bank statement.

Stanford University:

Stanford University, ranked fourth, offers a Master's degree in Biomedical Informatics. The program, part of the Department of Biomedical Data Science, is interdisciplinary and attracts applicants with diverse backgrounds in biology, medicine, computer science, statistics, engineering, and related fields. Stanford invites applications from students with diverse and disadvantaged backgrounds, as well as those with disabilities. Requirements for undergraduate admission include SAT and TOEFL scores, while Master's applicants need GMAT, GRE, GPA, and TOEFL scores.

Massachusetts Institute of Technology (MIT):

MIT is ranked fifth and is known for leading research in fields such as artificial intelligence, climate adaptation, HIV, cancer, and poverty alleviation. For undergraduate admissions, MIT requires SAT and TOEFL scores, while Master's program applicants need GMAT, IELTS, or TOEFL scores.

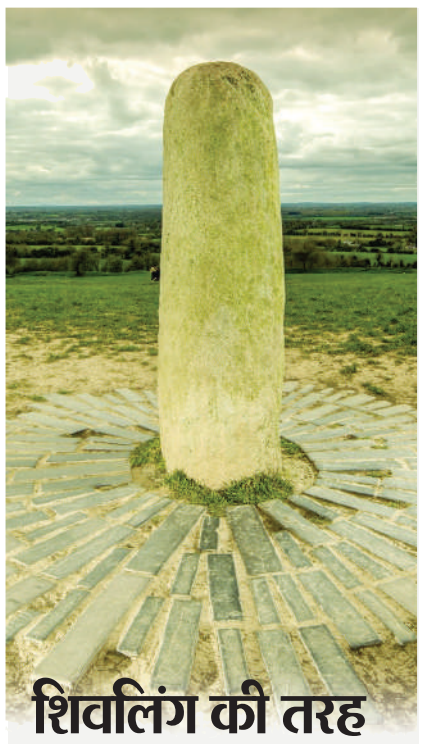

शिवलिंग की तरह दिखता है आयरलैंड का 'स्टोन ऑफ डेस्टिनी'

आयरलैंड में एक खास पत्थर है जिसे लोग कई बार शिवलिंग समझने लगते हैं। सोशल मीडिया पर भी खूब इसके चर्चे थे, लेकिन वास्तव में यह खास आकार का शिवलिंग नहीं, बल्कि आयरलैंड का 'स्टोन ऑफ डेस्टिनी' है। इसे बोलने वाला पत्थर भी कहा जाता है। यह लिआ फेइल पत्थर आयरलैंड के काउंटी मीथ में तारा पहाड़ी पर स्थित है। वास्तव में यह वहां के राजाओं के लिए राज्याभिषेक पत्थर के रूप में पहचाना जाता है। इसकी ऊंचाई तीन फीट तीन इंच है। इस पत्थर को लेकर मान्यताएं है कि जब आयरलैंड के राजा ने इस पर पैर रखा था, तो खुशी से यह पत्थर दहाड़ने लगा था।

बेहद खूबसूरत है नीदरलैंड का 36 मीटर ऊंचा पिरामिड, अनूठी है ज्यामिति आकृति

नीदरलैंड का ये पिरामिड अपनी अनोखी संरचना के लिए जाना जाता है। इसकी ज्यामिती आकृति बेहद खूबसूरत है। इस पिरामिड को साल 1804 में तैयार किया गया था। इस पिरामिड को फ्रेंच जनरल ने तैयार कराया था। यह फ्रेंच जनरल नेपोलियन बोनापार्ट की सेना का हिस्सा रहा है। यह पिरामिड मिस्त्र में गीजा के पिरामिड से प्रभावित है। इस पिरामिड की ऊंचाई 36 मीटर है, जो कि अब नीदरलैंड की राष्ट्रीय धरोहर बन गया है।

अगस्त में शुरू होगा बर्निंग मैन फेस्टिवल

बेहद अनोखा है रेगिस्तान में इसके जश्न का तरीका

दुनियाभर में कई तरह के फेस्टिवल होते हैं. जो अपने आप में खास होते हैं. इनकी खासियत ही इन्हें एक दूसरे से हटकर बनाती है. लेकिन क्या आपने कभी ऐसे फेस्टिवल के बारे में सुना है जिसमें लोग पूरा शहर ही जलाकर राख कर देते हैं. हैरानी की बात तो ये है कि ऐसा करने पर लोगों को बधाई भी दी जाती है और उनकी तारीफ की जाती है. ये पूरा फेस्टिवल रेगिस्तान में आयोजित किया जाता है, जहां सबकुछ जलने के बाद रेत पर राख का सिर्फ काला रंग ही पसरा होता है. ये अनोखा फेस्टिवल अमेरिका के नेवादा प्रांत में स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में आयोजित किया जाता है.

बड़ी मेहनत से जी-जान लगाकर, अपना समय देकर, अपनी रचनात्मकता का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए आपने कोई चीज तैयार की हो, तो आप उसे कितना सहेज कर रखेंगे ना! लेकिन क्या आप अपनी ही उस खूबसूरत कलाकृति को खुद आग लगाने की हिम्मत कर सकते हैं। नहीं ना, लेकिन अपनी कलाकृति को आग लगाने का एक फेस्टिवल अमेरिका के नेवादा प्रांत स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में मनाया जाता है। इस फेस्टिवल को बर्निंग मैन फेस्टिवल के नाम से जाना जाता है। रेगिस्तान में होने वाला यह अनोखा फेस्टिवल अगस्त के आखिरी रविवार से शुरू होता है और सितंबर के पहले सोमवार तक चलता है। इसमें लोग खुद कई तरह की कला से जुड़ी चीज़ें तैयार करते हैं। एक तरह से अपना एक शहर बसाते हैं। नाच-गाना होता है और इन कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगती है। लेकिन फेस्टिवल के आखिरी दिन खुद की बनाई कलाकृतियों को वे खुद जला देते हैं। यह काम आसान नहीं है लेकिन इस फेस्टिवल की फिलॉसफी ही यही है कि खुद की रचना को जलाने से अहंकार भी राख हो जाता है। 1986 में सेन फ्रांसिस्को के बेकर बीच पर पहली बार ये फेस्टिवल आयोजित किया गया था और आज तक इसका आयोजन हो रहा है। कला और संगीत के इस आयोजन में दस हजार से ज्यादा लोग इकट्ठा होते हैं।

दुनियाभर में कई तरह के फेस्टिवल होते हैं. जो अपने आप में खास होते हैं. इनकी खासियत ही इन्हें एक दूसरे से हटकर बनाती है. लेकिन क्या आपने कभी ऐसे फेस्टिवल के बारे में सुना है जिसमें लोग पूरा शहर ही जलाकर राख कर देते हैं. हैरानी की बात तो ये है कि ऐसा करने पर लोगों को बधाई भी दी जाती है और उनकी तारीफ की जाती है. ये पूरा फेस्टिवल रेगिस्तान में आयोजित किया जाता है, जहां सबकुछ जलने के बाद रेत पर राख का सिर्फ काला रंग ही पसरा होता है. ये अनोखा फेस्टिवल अमेरिका के नेवादा प्रांत में स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में आयोजित किया जाता है. इस फेस्टिवल का नाम बर्निंग मैन फेस्टिवल है, जिसमें हर साल हजारों लोग पहुंचते हैं. इस बार इसमें करीब 70 हजार लोगों ने शिरकत ली. यहां आने वाले लोग अपने हिसाब से पहले शहर बनाते हैं और फिर फेस्टिवल के अंत में वो खुद अपने हाथों ही सबकुछ जला देते हैं.

साल 1986 से शुरू किए गए इस फेस्टिवल में पहली बार सिर्फ 80 लोग ही आए थे. लेकिन बाद में ये इतना पॉपुलर हुआ कि हर साल ये संख्या बढ़ती ही गई. यहां पर लोग आते हैं और खुद का शहर बसाते हैं. वो कई कलात्मक वाहन और दूसरी कला से जुड़ी चीजें बनाते हैं. इस दौरान नाचना-गाना भी होता है और कला की प्रदर्शनी भी होती है.

फेस्टिवल के आखिरी दिन ये लोग खुद की बनाई कला को जला देते हैं. ऐसा वो यहां की फिलॉस्फी के कारण करते हैं, जिसमें माना जाता है कि खुद ही अपनी रचना को जलाकर अहं भी राख हो जाता है. यहां लोगों को अपने तरीके से जीने की आजादी दी जाती है. उन पर किसी भी तरह की रोक नहीं लगाई जाती है, ताकि वो सही मायने में आजादी का मतलब समझ सकें.

इस फेस्टिवल का सिर्फ एक नियम भी है, जो कम हैरान करने वाला नहीं है. यहां पर ऐसी किसी भी चीज का उपयोग नहीं कर सकते हैं, जो पर्यावरण को नुकसाना पहुंचाए. इस नियम के कारण ही यहां पर प्लास्टिक के सामान से लेकर फ्यूल वाहन तक बैन हैं. आप यहां पर सिर्फ साइकिल या पैदल ही घूम सकते हैं.

एक व्यक्ति पर होता है 65000 रुपए का खर्च

फेस्टिवल में कला और संगीत को जगह दी गई है। हर कोई वह काम करता है, जो उसका फेवरेट होता है। अमेरिका में हर साल होने वाले इस त्योहार में हजारों लोग शामिल होते हैं और कई चीजों से अलग-अलग आकृतियां बनाकर दुनिया को दिखाते हैं। यह जरूरी नहीं कि यह आकृतियां आकर्षक हो इसलिए ज्यादातर आकृतियां अजीब ही होती हैं। इतना ही नहीं इस फेस्टिवल में लोग अलग और अजीब वेशभूषा भी धारण करते हैं। इस फेस्टिवल में कोई नियम नहीं है कि आप खुद को कैसे प्रेजेंट करते हैं। इस त्योहार को संस्कृति में लेने देने वाला पर्व भी कहते हैं। यहां पर खुले मैदान में दूर से दिखने वाली आकर्षक आकृति लकड़ी से बनाई जाती है, जिसे अंतिम दिन जला दिया जाता है। इस तरह पर्व समाप्त हो जाता है। इसे फेस्टिवल ऑफ फायर भी कहते हैं।

फेस्टिवल के लिए अस्थायी तौर पर ब्लैक रॉक सिटी बनती है। 25 हजार रुपए का टिकट खरीदकर उसके सदस्य बनते हैं। पिछले साल 65 हजार लोग वहां पहुंचे थे। एक व्यक्ति का खर्च तकरीबन 65 हजार रुपए होता है। तकरीबन 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में हजारों लोग अपनी धुन में मग्न रहते हैं। हजारों लोग रेगिस्तान में नाचने, गाने और अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए इकट्ठा होते हैं।

तीन दोस्तों ने की थी शुरुआत

द बर्निंग मैन फेस्टिवल की शुरुआत साल 1986 में कलाकार लैरी हार्वे ने मित्र जॉन ला और जैरी जेम्स के साथ सैन फ्रांसिस्को के बेकर तट पर की थी। उस समय 9 फीट ऊंचा लकड़ी का पुतला जलाया गया था और तभी से पुतले जलाने की परंपरा है। इस समय यह फेस्टिवल अमेरिका के अलावा दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, स्पेन, स्वीडन, इजराइल, जापान, दक्षिण कोरिया और कनाडा में भी मनाया जाता है।

कहाँ है ब्लैक रॉक रेगिस्तान

यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका (यूएसए) के नेवादा राज्य में स्थित .ब्लैक रॉक डेजर्ट. एक अर्द्ध-शुष्क क्षेत्र है। -21 जून 1986 से इस रेगिस्तान में बर्निंग मैन-फैस्टिवल मनाया जाता है। यहां दुनियाभर से आए लोग सेलफोन, इंटरनेट, जैसी अत्याधुनिक सुख-सुविधाओं से दूर रहकर पारम्परिक नाच-गाने और गीत संगीत के बीच एक सप्ताह गुजारते हैं।

दुनिया के सबसे बड़ा चूहा कैपीबारा

कैपीबारा एक जिज्ञासु जानवर है। हालाँकि वे आपकी आम सड़क या रसोई की अलमारी में रहने वाले जानवर की तरह नहीं दिखते, लेकिन दक्षिण अमेरिका के ये मूल निवासी दुनिया के सबसे बड़े कृंतक हैं। भले ही वे विचित्र दिखते हों, कैपीबारा जल्दी ही इंटरनेट के छद्म सितारे बन गए हैं - मुख्य रूप से इस तथ्य के कारण कि वे बड़े गिनी पिग की तरह दिखते हैं। कैवी परिवार (कैविडे) से संबंधित, उनके सबसे करीबी रिश्तेदार वास्तव में गिनी पिग और रॉक कैवी हैं।

कैपीबारा को हमेशा जल निकायों के पास पाया जा सकता है, क्योंकि उनकी अर्ध-जलीय जीवनशैली होती है। अमेज़न नदी के किनारे, ये गंदे पानी कैपीबारा के लिए कई खतरे पैदा करते हैं, लेकिन पानी के किनारे जीवन अभी भी शिविर लगाने के लिए एकदम सही जगह है - जिससे उन्हें जल्दी से पीछे हटने और एनाकोंडा, जंगली बिल्लियों और यहां तक कि चील जैसे शिकारियों से बचने का मौका मिलता है। जालदार पैर उन्हें पानी में चलने में मदद करते हैं, और उनके चेहरे की विशेषताएं उनके बड़े सिर के ऊपर की ओर स्थित होती हैं, जिससे उन्हें तैरते समय देखने और सांस लेने में मदद मिलती है।

वे पानी में भी सो सकते हैं

कैपीबारा एक बार में 5 मिनट तक गोता लगा सकते हैं और पानी के अंदर रह सकते हैं - अक्सर पानी में सो जाते हैं और अपनी नाक किनारे पर रखते हैं। नदियों, मैंग्रोव और दलदलों के किनारे झपकी लेने से उन्हें ठंडा रहने में मदद मिलती है।

ज़मीन पर भी बेहद फुर्तीले होते हैं

हालांकि कैपीबारा को पानी के किनारे घर जैसा महसूस होता है, लेकिन वे निश्चित रूप से जमीन पर अपना रास्ता जानते हैं, और 35 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति तक पहुंचने में सक्षम हैं - जो घोड़े के बराबर है!

उनके दांत लगातार बढ़ते रहते हैं

कठोर जलीय पौधों और घासों को खाने से होने वाले लगातार घिसाव की भरपाई के लिए उनके मोती जैसे सफ़ेद दांत बढ़ते रहते हैं! खरगोशों की तरह, उनके ऊँचे मुकुट वाले, संकरे किनारे वाले दाँत उनके भोजन को काटने के लिए पूरी तरह से अनुकूल होते हैं। अक्सर प्रकृति के ओटोमन या चलती कुर्सियों के रूप में संदर्भित, ये दोस्ताना जीव कभी भी किसी अन्य जानवर से सवारी साझा करने के अनुरोध को अस्वीकार नहीं करते हैं। पक्षियों की कई प्रजातियाँ, बंदर, खरगोश और यहाँ तक कि अन्य कैपीबारा को एक बहुत ही विनम्र कैपीबारा की पीठ पर बैठे, बैठे या लेटे हुए देखा गया है।

वे अत्यधिक सामाजिक प्राणी हैं

मिलनसार कैपीबारा लगभग 10-20 के बड़े झुंडों के बीच रहना पसंद करता है, और अक्सर अन्य जानवरों के साथ घुलमिल कर देखा जाता है। 8 ये उदाहरण अक्सर सहजीवी संबंध के प्रदर्शन होते हैं, जिसके तहत एक जानवर, जैसे कि एक पक्षी, कीड़ों के एक मुफ़्त स्मोर्गसबॉर्ड का आनंद ले सकता है, जबकि कैपीबारा आराम से बैठकर अपने मुफ़्त संवारने के सत्र का आनंद लेता है। उनका अविश्वसनीय रूप से सामाजिक स्वभाव उन्हें शिकारियों से बचाने और संभोग की संभावनाओं को बेहतर बनाने में भी मदद करता है।

कैपीबारा शाकाहारी होते हैं

ये शाकाहारी जलीय पौधे, घास, छाल, कंद और गन्ना खाते हैं। और यद्यपि वे जन्म के एक ही सप्ताह में अपनी हरी सब्जियाँ खाने में सक्षम होते हैं, वे अपने जीवन के पहले 16 सप्ताह तक दूध पीते हैं - समूह में किसी भी माँ से बिना किसी भेदभाव के दूध पीते हैं।

वयस्क मनुष्य के बराबर होता है वजन

लगभग 50 किलोग्राम के औसत वजन के साथ, ये बैरल के आकार के स्तनधारी निश्चित रूप से कोई फील्ड चूहे नहीं हैं - इनका वजन 35 से 70 किलोग्राम के बीच होता है। हालाँकि मादा कैपीबारा अपने नर समकक्षों की तुलना में थोड़ी भारी होती हैं।

संक्षिप्त समाचार

पेरिस ओलिंपिक:

ओलिंपिक के लिए ये कैसी तैयारी! भारत के टेबल टेनिस टीम में खिलाड़ियों से ज्यादा सपोर्टिंग स्टाफ

नई दिल्ली, एजेंसी। जर्मनी के सारब्रकेन में पेरिस ओलिंपिक की तैयारियों में जुटी भारतीय टेबल टेनिस टीम में खिलाड़ियों से ज्यादा संख्या सहयोगी स्टाफ की है। ओलिंपिक से पहले तीसरी बार भारत के मुख्य कोच के तौर पर लौटे इटली के मास्सिमो कोंस्टेंटिनी के साथ नेशनल कोच के तौर पर पूर्व खिलाड़ी सौरव चक्रवर्ती हैं। इसके अलावा सरकार ने टीम के साथ जाने के लिए चार निजी कोचों को मंजूरी दी है चूंकि महिला टीम की तीनों सदस्य निजी कोच ले जाना चाहती हैं।

नौ सदस्यीय सहयोगी स्टाफ में दो मालिशिये और एक फिजियो भी हैं जबकि छह खिलाड़ी (तीन महिला और तीन पुरूष) टीम में हैं। स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ अपने निजी कोच लेकर जाएंगी। तीन सदस्यीय पुरूष टीम में भारत के ध्वजवाहक अचंता शरत कमल के साथ उनके कोच क्रिस पेइफेर होंगे। हरमीत देसाई ओर मानव ठक्कर भी टीम में हैं।

लीजेंड क्रिकेट चैंपियन जीतने के बाद फंस गए युवराज, रैना और भज्जी... पुलिस कर रही है जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 3 पूर्व क्रिकेटरों के खिलाफ दिल्ली के अमर कॉलोनी थाने में शिकायत दर्ज किया गया है। दर्ज शिकायत में एक एनजीओ की ओर से पूर्व भारतीय खिलाड़ी हरभजन सिंह, युवराज सिंह और सुरेश रैना पर दिव्यांगों का मजाक उड़ाने और अपमान करने का आरोप लगाया गया है।

लीजेंड क्रिकेट चैंपियन में दर्ज की थी जीत

हाल ही में इंग्लैंड में समाप्त हुई लीजेंड क्रिकेट चैंपियन में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है। इसके बाद हरभजन ने इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वह तीनों दिव्यांग की तरह चल रहे हैं। इस पर दिल्ली में दिव्यांग के लिए काम करने वाले एक एनजीओ ने तीनों क्रिकेटरों के खिलाफ अमर कॉलोनी थाना पुलिस को शिकायत दी है। एनजीओ ने शिकायत में आरोप लगाया कि वीडियो में तीनों खिलाड़ी दिव्यांग लोगों का अपमान करते नजर आ रहे हैं, इसलिए तीनों के खिलाफ केस दर्ज होना चाहिए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

शौहरत, कप्तानी मिलने से बहुत बदल गए विराट कोहली:अमित मिश्रा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के अनुभवी स्पिनर अमित मिश्रा ने एक इंटरव्यू पर विराट कोहली पर हैरानीजनक खुलासे किंग हैं जोकि भारतीय स्टार के फैंस को अच्छे नहीं लगेंगे। मिश्रा का कहना है कि प्रसिद्धि, शक्ति और कप्तानी हासिल करने के बाद पूर्व भारतीय कप्तान के व्यवहार में काफी बदलाव आया।

2015 और 2017 के बीच कोहली के नेतृत्व में खेलने वाले मिश्रा ने कोहली और वर्तमान भारत के कप्तान रोहित शर्मा के बीच एक अंतर पर बात की थी। मिश्रा ने कहा कि विराट कोहली प्रसिद्धि, शक्ति और कप्तानी पाने के बाद बहुत बदल गए।

जब आप ताकतवर हो जाते हैं तो आप यह सोचने लगते हैं कि हर कोई स्वार्थ के लिए आपसे बात करना चाहता है। लेकिन मैं ऐसा नहीं हूं. विराट और रोहित का स्वभाव अलग-अलग है। अमित मिश्रा ने रोहित शर्मा के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते के बारे में विस्तार से बताया और इसे

आनंदमय और मैत्रीपूर्ण बताया, जो क्रिकेट में रोहित के शुरुआती दिनों की याद दिलाता है। मिश्रा ने कहा कि मैं आपको रोहित के बारे में सबसे अच्छी बात बताऊंगा

जब मैं उससे पहले दिन मिला था और आज जब मैं उससे मिला, तो वह वही व्यक्ति है। तो, क्या आप उससे अधिक संबंध रखेंगे या किसी ऐसे व्यक्ति के साथ जो स्थिति के अनुसार बदलता है? अनुभवी स्पिनर ने कहा कि नेतृत्व की भूमिका संभालने के बाद विराट कोहली के व्यवहार में आए बदलाव के कारण भारतीय टीम में उनके दोस्त कम रह गए थे।

कोहली की यह धारणा कि दूसरे लोग उनके साथ स्वार्थी उद्देश्यों से बातचीत करते हैं, ने एक बाधा पैदा कर दी है, जिससे वह अपने कई साथियों से दूर हो गए हैं। इससे पहले, भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने भी उल्लेख किया था कि उनका विराट कोहली के साथ वैसा रिश्ता नहीं है जैसा कि कोहली के सुपरस्टार बनने से पहले था।

पेरिस ओलंपिक:

सात्विक-चिराग की जोड़ी को मिला आसान ड्रॉ

नई दिल्ली,एजेंसी। पेरिस ओलंपिक के लिए बैडमिंटन के ड्रॉ कुछ दिन पहले निकले थे, लेकिन उसमें पुरुष डबल्स के ड्रॉ की घोषणा नहीं हुई थी। अब 26 जुलाई से शुरू हो रहे इन खेलों के लिए डबल्स वर्ग के ड्रॉ की घोषणा भी हो गई है और सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी तथा चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी को अनुकूल ड्रॉ मिला है। थॉमस कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे सात्विक और चिराग की जोड़ी को तीसरी वरीयता मिली है।

सुनवाई के कारण पुरुष डबल्स के ड्रॉ हुए थे स्थगित

ड्रॉ में जोड़ियों की संख्या को लेकर खेल पंचाट (कैस) की सुनवाई के कारण शुक्रवार को पुरुष डबल्स ड्रॉ स्थगित कर दिया गया था। खेल की वैश्विक संचालन संस्था को ड्रॉ स्थगित करना पड़ा क्योंकि कैस ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) को आदेश दिया कि कोर्वी और लेबर की जोड़ी को ओलंपिक खेलों में शामिल करने को लेकर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को सिफारिश की जाए। फ्रांस की जोड़ी के शामिल होने से पुरुष ड्रॉ में शुरुआती 16 की जगह अब 17 जोड़ियां होंगी।

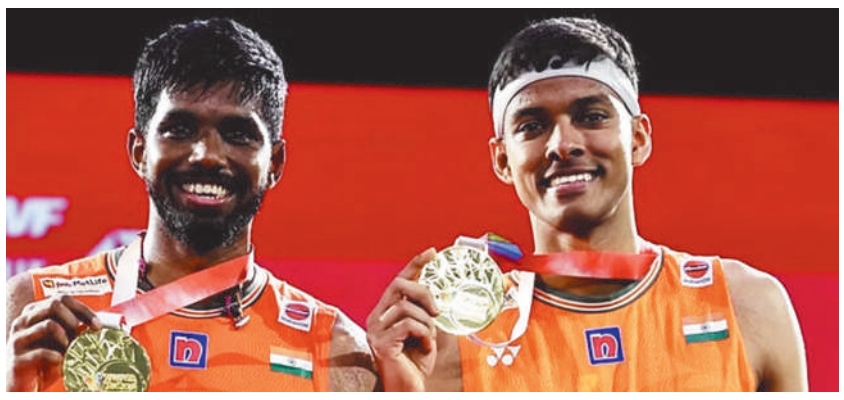

सात्विक-चिराग की जोड़ी ग्रुप-सी में

स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार सात्विक और चिराग की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी को ग्रुप सी में रखा गया है जहां फजर अल्फियां और मोहम्मद रियान एरदियांतो की इंडोनेशिया की छठे नंबर की जोड़ी उनकी सबसे कड़ी प्रतिद्वंद्वी होगी। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता सात्विक और चिराग की जोड़ी को ग्रुप चरण में मार्क लैम्सफस और मर्विन सीडल की जर्मनी की 31वें नंबर की जोड़ी और लुकास कोर्वी तथा रोनन लेबर की फ्रांस की दुनिया की 43वें नंबर की जोड़ी से भी भिड़ना है। ओलंपिक में बैडमिंटन स्पर्धाएं 27 जुलाई से शुरू होंगी।

सिंधू-प्रणय को मिला था आसान ग्रुप

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और एचएस प्रणय को आसान ग्रुप में जगह मिली थी। रियो खेलों में रजत पदक और उसके बाद टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को 10वीं वरीयता दी गई थी। वहीं, विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज तनिषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी को महिला डबल्स में मुश्किल ग्रुप सी में जगह मिली थी।

स्विट्जरलैंड के स्टार जेरदान ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के स्टार खिलाड़ी जेरदान शकीरी ने सोमवार को यूरो 2024 की समाप्ति के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। अपने 14 साल के लंबे सफर को खत्म करने की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी। 32 वर्षीय खिलाड़ी को हाल ही में जर्मनी में संपन्न हुए यूरो 2024 के लिए स्विस टीम में चुना गया था। रोसोक्रोसियाटी ने टूर्नामेंट में औसत प्रदर्शन किया और टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल राउंड में अपनी यात्रा समाप्त की।

यूरो 2024 में जेरदान का प्रदर्शन

क्लब फुटबॉल में उन्होंने बेसल, बायर्न म्यूनिख, इंटर मिलान, स्टोक सिटी, लिवरपूल और ल्योन के लिए खेला है। वर्तमान में वह शिकागो फायर एफसी के साथ मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में खेल रहे हैं। स्विटजरलैंड ने यूरो 2024 के राउंड ऑफ 16 में इटली को 2-0 से हराया। हालांकि, वे पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से दुखद हार के बाद क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड से हार गए। यूरो 2024 में शकीरी ने स्कॉटलैंड के खिलाफ सिर्फ एक गोल किया, जिससे उन्हें प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की करने में मदद मिली।

सोशल मीडिया के जरिए की संन्यास की घोषणा

शकीरी ने अपने संन्यास की घोषणा सोशल मीडिया के जरिए की। उन्होंने कहा कि 14 साल की यात्रा के बाद राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहने का उनका समय आ गया है। शकीरी ने लिखा, सात टूर्नामेंट, कई गोल, स्विस राष्ट्रीय टीम के साथ 14 साल और अविस्मरणीय क्षण।

राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहने का समय आ गया है। शानदार यादें बनी हुई हैं और मैं आप सभी से कहता हूं। धन्यवाद।

चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने की वॉर्नर की पेशकश खारिज

मेलबर्न, एजेंसी। डेविड वॉर्नर ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था। पाकिस्तान में 2025 में होने वाली वनडे चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में डेविड वॉर्नर के नाम पर विचार नहीं किया जाएगा। वॉर्नर ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा था कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बावजूद अगर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया चाहेगा तो वह पाकिस्तान में वनडे चैंपियंस ट्रॉफी में खेल सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के नेशनल सेलेक्टर जॉर्ज बेली ने कहा कि हमारा समझना यह है कि डेविड रिटायर हो चुके हैं और जिस तरह से उनका तीनों फॉर्मेट में करियर रहा है उसकी सराहना की जानी चाहिए। हमारी रणनीति यह है कि वह पाकिस्तान में नहीं होंगे।

क्रिकेट में ऐसा अजब-गजब पहली बार ! एक ओवर में 41, 2 ओवर में 61 रन बनाकर जीत लिया मैच...

नई दिल्ली, एजेंसी। माना जाता है कि आखिरी गेंद फेंके जाने तक मैच में कुछ भी हो सकता है, लेकिन कई बार ऐसी चीजें हो जाती हैं, जिसकी कल्पना शायद ही किसी ने की होती है। अब ऑस्ट्रिया और रोमानिया के बीच खेले गए एक मैच को ही ले लीजिए। मैच में ऑस्ट्रिया क्रिकेट टीम को आखिरी दो ओवरों में जीत के लिए 61 रन बनाने थे और उसने यह कर भी दिखाया। उसने एक गेंद शेष रहते मैच जीत लिया। इस दौरान एक ओवर में 41 रन बने। ईसीआई टी-10 रोमानिया 2024 के एक मैच ऑस्ट्रियाई क्रिकेट टीम ने बुखारेस्ट में रोमानिया के खिलाफ यह कारनामा किया। मैच के अंतिम दो ओवरों में 61 रनों का

अकल्पनीय लक्ष्य हासिल करके मेजबान टीम को 7 विकेट से हरा दिया। जिस अंदाज में यहां रन बरसे उसकी शायद ही किसी को उम्मीद रही होगी। मैच 10-10 ओवर का था और मेजबान टीम 8 ओवर तक जीत रही थी।

61 रन सिर्फ 2 ओवर में हासिल किए गए: ऑस्ट्रिया ने बुखारेस्ट में रोमानिया को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। रोमानियाई विकेटकीपर अरियान मोहम्मद के शानदार प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रिया ने 10 ओवरों में 168 रनों का पहाड़ खड़ा किया। अरियान (104 रन, 39 गेंद, 11 चौके, 8 छक्के) ने विध्वंसक बैटिंग करते हुए नाबाद शतक ठोका, जबकि सलामी बल्लेबाज मोहम्मद मोइज ने 42 (14 गेंद) रन बनाए।

8 ओवर तक बनाए थे 3 विकेट पर 107 रन, फिर यूं मैच का रुख पलटा:

रन चेज के दौरान ऑस्ट्रिया ने 8 ओवरों में 3 विकेट पर 107 रन बनाए थे और मुश्किल स्थिति में थी। अंतिम दो ओवरों में जीत के लिए अभी भी 61 रन बनाने थे, लेकिन आकिब इकबाल ने खेल को मेहमानों के पक्ष में मोड़ दिया। मनमीत कोली ने अपने दो ओवरों में 57 रन दिए और मैच के अंतिम ओवर में 41 रन दिए, जिनमें से 9 अतिरिक्त थे। इमरान आसिफ और आकिब इकबाल ने फिर चामिका फर्नांडो की धज्जियां उड़ाईं और उनके ओवर में खत्म कर दिया, जबकि उन्हें अंतिम ओवर में 20 रन की जरूरत थी। कप्तान इकबाल ने मैच जीतने वाली पारी में 19 गेंदों पर नाबाद 72 रन बनाए। इमरान आसिफ ने 22 नाबाद (12) रन बनाए और सलामी बल्लेबाज करणीर सिंह ने 30 (13) रन बनाकर ऑस्ट्रिया को अच्छी शुरुआत दी।

गौतम गंभीर को कोच बनाने पर बोले ब्रेट ली

भारत सुरक्षित हाथों में है

नईदिल्ली, एजेंसी। महान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ब्रेट ली का मानना है कि गौतम गंभीर को कोच बनाने से भारतीय क्रिकेट टीम का भविष्य सुरक्षित हाथों में जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने बीते दिनों गंभीर को भारत के मुख्य कोच के रूप में गंभीर को नामित किया था। गंभीर श्रीलंका के खिलाफ होने वाले वनडे और टी20 सीरीज के लिए टीम से जुड़ जाएंगे। गंभीर ने भले ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में आधिकारिक तौर पर किसी टीम को कोचिंग नहीं दी है लेकिन वह साल 2022 और 2023 सीजन में लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) और 2024 सीजन में केकेआर के मेंटर थे। केकेआर तो इस साल खिताब जीतने में भी सफल रही थी। ली ने कहा कि उन्हें (गौतम गंभीर) जब भी मौका मिला उन्होंने शानदार काम किया।

केकेआर के साथ इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। वह हमेशा अपने खेल में शीर्ष पर रहे हैं। वह अपने खिलाड़ियों को एकजुट करने और अपनी टीम को एकजुट करने का एक तरीका ढूंढता है। वह एक ठोस संरचना बनाता है। वह एक शानदार खिलाड़ी रहे हैं और उनकी आक्रामकता और विजयी रवैये से भारत को मदद मिलेगी। वह एक खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमके हैं।

गौतम गंभीर के कोच होने से भारत सुरक्षित हाथों में है। इससे पहले, श्रीलंका क्रिकेट ने पुष्टि की थी कि भारत और मेजबान श्रीलंका के बीच छह मैचों की सफेद गेंद श्रृंखला में एक दिन की देरी हो गई है। भारत टी-20 और एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला के लिए 22 जुलाई को श्रीलंका पहुंचेगा। सभी तीन टी-20 मैच पल्लेकेले में खेले जाएंगे।

विक्की ने कैटरीना की

प्रेंग्नेंसी की अफवाहों को किया खारिज

करण जौहर द्वारा निर्मित और आनन्द तिवारी द्वारा निर्देशित 19 जुलाई को प्रदर्शित होने वाली फिल्म बैड न्यूज इन दिनों चर्चाओं में है। इस फिल्म में नजर आने वाले विक्की कौशल इसके प्रचार में लगे हुए हैं, जिसके तहत वे लगातार मीडिया से बातचीत कर रहे हैं। उनसे बातचीत करते हुए पत्रकारों से बार-बार यह पूछा जाता है कि वे कब गुड न्यूज देने वाले हैं। हाल ही में दिए अपने एक साक्षात्कार में उन्होंने अब कैटरीना कैफ की प्रेग्नेंसी को लेकर चल रही अफवाहों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कोई गुड न्यूज नहीं है सिर्फ बैड न्यूज है। अभिनेता अपनी आगामी फिल्म बैड न्यूज़ के प्रचार में व्यस्त हैं और दिल्ली में हैं। उन्होंने अफवाहों के बारे में बात करते हुए कहा कि ये सब झूठ है।

इश्क जबरिया में अपने किरदार आदित्य से मेरा खास जुड़ाव: लक्ष्य खुराना

धारावाहिक इश्क जबरिया में आदित्य की मुख्य भूमिका निभाने वाले एक्टर लक्ष्य खुराना ने अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे वह अपने किरदार के साथ जुड़ पाते हैं।

अपने किरदार के लक्ष्य ने कहा कि मुझे शो में अपना किरदार आदित्य बहुत पसंद है। उसमें बहुत गहराई है, क्योंकि उसने भी मेरी तरह कई भावनात्मक चीजें झेली है। आदित्य के पिता नहीं हैं और मैंने भी कुछ साल पहले अपने पिता को खो दिया था। उन्होंने कहा कि पिता को खोना बहुत बड़ा नुकसान है और हमारे जीवन में पिता की जगह कोई नहीं ले सकता। अपने अनुभवों के कारण भावनात्मक दृश्य निभाना मेरे लिए आसान है। एक्टर ने आगे कहा कि आदित्य के किरदार में कई अलग-अलग पहलू हैं।

अनंत-राधिका की शादी छोड़ स्पेन में वेकेशन एंजॉय कर रही मलाइका

अंनत-राधिका की शादी में जहां तमाम देश-विदेश से हस्तियां शामिल हुई। वहीं मलाइका अरोड़ा शादी छोड़ अपने दोस्तों के साथ स्पेन में वेकेशन एंजॉय करती दिखीं। तस्वीरों में देखा जा सकता है। मलाइका आंखों पर सफेद काला चश्मा लगाए काफी खूबसूरत दिख रही हैं। फोटोज में मलाइका नियॉन कलर की बिकिनी पहने बोल्ड लुक देती नजर आ रही है। इन फोटोज को देख सोशल मीडिया में तहलका मच गया। यूजर्स जमकर रिएक्शन दे रहे हैं,जहां वह नियॉन कलर की बिकिनी पहने बोल्ड लुक देती नजर आई। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा क्या बात है मलाइका इस उम्र में भी आप कितनी फिट दिखती हो, तो वहीं दूसरे ने कहा बहुत ही खूबसूरत तस्वीरें हैं।

एनसीआर के 12 नामी स्कूलों की रद्द हो सकती है मान्यता

ऐक्शन को बनाई गई 3 सदस्यीय कमेटी

नईदिल्ली, एजेंसी। नोएडा जिला प्रशासन ने निशुल्क बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्रवेश देने से इनकार करने वाले 12 निजी स्कूलों पर सख्त रवैया अपनाया है। डीएम ने ऐसे स्कूलों के खिलाफ मान्यता रद्द करने की कार्रवाई के आदेश देते हुए कमेटी गठित की है। कमेटी ने इन स्कूलों के खिलाफ रिपोर्ट दी तो इनकी मान्यता निरस्त की जा सकती है।

बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने डीएम मनीष कुमार वर्मा को आरटीई के तहत दाखिला न लेने वाले 12 स्कूलों की जानकारी दी थी। डीएम ने इसे लेकर मान्यता रद्द करने की कमेटी गठित करने के आदेश दिए हैं। साथ ही कमेटी की रिपोर्ट शासन को भेजने के निर्देश भी दिए हैं। एसडीएम वेद प्रकाश पांडे की अध्यक्षता में गठित कमेटी में जिला दिव्यांग अधिकारी आशीष कुमार और कुमारी मायावती इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य छवि सिंह शामिल हैं। कमेटी ने स्कूलों को नोटिस भेजा है।

भेजा गया नोटिस: इनमें जिन स्कूलों को नोटिस भेजा गया है उनमें- नोएडा के बाल भारती पब्लिक स्कूल, द मिलेनियम स्कूल, रामाज्ञा स्कूल, राघव ग्लोबल स्कूल, शिव नादर स्कूल, फॉर्चून वर्ल्ड स्कूल, आर्मी पब्लिक स्कूल और ग्रेटर नोएडा के दरबारी लाल फाउंडेशन वर्ल्ड स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल, ऑक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल और संस्कार रोजा जलालपुर शामिल हैं।

बच्चा 30 दिन न आया तो आउट ऑफ स्कूल होगा: वहीं, दूसरी ओर नोएडा के परिषदीय विद्यालयों में 30 दिन से ज्यादा अनुपस्थित रहने वाले और किसी भी परीक्षा में 35 फीसदी से कम नंबर आने वाले विद्यार्थियों को आउट ऑफ स्कूल की श्रेणी में रखा जाएगा। इस बारे में महानिदेशक बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से जिला बेसिक अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं।

निर्देश में जानकारी दी गई है कि छह से 14 साल का कोई बालक नामांकित नहीं है तो वह बिना विद्यालय का माना जाएगा। नामांकन के एक साल में लगातार 30 दिन अनुपस्थित रहता है तो उसे आउट ऑफ स्कूल माना जाएगा। अगर वार्षिक मूल्यांकन में 35 फीसदी से कम नंबर मिले हैं तो ऐसे बच्चों के शैक्षिक स्तर में सुधार के लिए एक्स्ट्रा क्लास लगाई जाएंगी।

हर महीने बैठक होगी: बीएसए राहुल पंवार ने बताया कि स्कूल में बच्चों की उपस्थिति पर निगरानी रखने को हर महीने में प्रधानाध्यापक और शिक्षकों की बैठक होगी। ऐसे बच्चों की भी निगरानी होगी, जो लगातार अनुपस्थित रहते हैं। इसके बाद अध्यापक बच्चे के माता-पिता की काउंसिलिंग करेंगे और अभिभावकों को जागरूक करते हुए बच्चे को रोजाना स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

अस्पतालों में हथियारबंद सुरक्षा गार्डों को तैनात करेगी दिल्ली सरकार, मेटल डिटेक्टर भी लगाए जाएंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। जीटीबी अस्पताल में घुसकर गोलीबार किए जाने की घटना के बाद डॉक्टरों में रोष है। डॉक्टरों का कहना है कि दिल्ली सरकार से बार-बार सुरक्षा को लेकर गुहार लगाई गई लेकिन सरकार ने मांगों पर ध्यान नहीं दिया। अब दिल्ली सरकार ने अस्पतालों के इमरजेंसी गेट्स पर दो बंदूकधारी गार्ड और मेटल डिटेक्टर लगाने का फैसला किया है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद लिया।

सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि सरकारी अस्पतालों में हिंसा की हालिया घटनाओं पर चर्चा करने के लिए फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इसमें राष्ट्रीय महासचिव और मुख्य सलाहकार भी शामिल थे। अस्पतालों में सुरक्षा के मसले पर कई निर्णय लिए गए हैं। इनमें अस्पतालों के इमरजेंसी गेट पर मेटल डिटेक्टर लगाया जाना और दो सशस्त्र गार्डों की तैनाती शामिल है।

सौरभ भारद्वाज ने आगे कहा कि वह दिल्ली पुलिस आयुक्त से अपील करेंगे कि अस्पतालों में 24 घंटे एक कांस्टेबल की ड्यूटी लगाई जाए। यही नहीं ऐसी घटनाओं का सामना करने वाले अस्पतालों की एसओपी की समीक्षा की जाएगी। अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और इनका समय समय पर मेंटिनेंस किया जाएगा। जहां तक जीटीबी अस्पताल में गोलीबारी की घटना में कार्रवाई की बात है तो हमलावरों को नहीं बख्शा जाएगा। उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं एफएआईएमए के अध्यक्ष रोहन कृष्णन ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज के साथ उनकी बैठक सार्थक रही।

सुरक्षा गार्डों की गवाही और डीवीआर से मिले सबूत, बिभव कुमार के खिलाफ 1000 पन्नों की चार्जशीट

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ हुई मारपीट के मामले में दिल्ली पुलिस मंगलवार को अदालत में चार्जशीट दायर कर सकती है। सूत्रों ने कहा है कि पुलिस दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार के खिलाफ तीस हजारी कोर्ट में चार्जशीट दायर कर सकती है। सूत्रों ने कहा है कि पुलिस ने इस मामले में अपनी जांच लगभग पूरी कर ली है और वो बिभव कुमार के खिलाफ चार्जशीट दायर करने के लिए तैयार है। सूत्रों मुताबिक, पुलिस ने 1000 पन्नों की चार्जशीट तैयार की है। इस चार्जशीट में सीएम अरविंद केजरीवाल के आवास पर घटना के वक्त तैनात सुरक्षा कर्मियों की गवाही का जिक्र भी है। पुलिस ने केजरीवाल के आवास से डीवीआर लिया था और कई गैजेट भी जब्त किए हैं। इसमें बिभव कुमार के दो मोबाइल फोन भी शामिल हैं। पुलिस कस्टडी के दौरान बिभव कुमार को दो बार मुंबई भी ले जाया गया था। दरअसल यह आरोप हैं कि मुंबई में ही बिभव कुमार ने अपने मोबाइल फोन का डेटा डिलीट किया था। स्वाति मालीवाल ने आरोप लगाया था कि जब 13 मई को वो सीएम अरविंद केजरीवाल से मिलने उनके घर गई थीं तब उनके साथ मारपीट हुई थी। मालीवाल की शिकायत पर ही पुलिस ने इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 308, 341, 345क्ष 506 और 509 के तहत बिभव कुमार पर केस दर्ज किया था।

हम इसी नफरत के लायक... दिल्ली एयरपोर्ट पर लोगों का ऐसा रवैया कि भड़क गया शख्स

नईदिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर अक्सर लोग यात्रा से जुड़े अपने अनुभव शेयर करते हैं। कई बार यह अनुभव खराब होते हैं तो कई बार अच्छे भी होते हैं। ऐसा ही एक अनुभव दिल्ली एयरपोर्ट से यात्रा करने वाले एक यूजर ने शेयर किया है। अपनी पोस्ट में उसने दिल्ली एयरपोर्ट के मैनेजमेंट पर नाराजगी जाहिर की है और पूरी व्यवस्था को मजाक बता दिया है।

रेडिट पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए उन्होंने लिखा, आज सुबह मेरी इंडिगो की फ्लाइट थी और मैं अपने सामान के चेकइन के लिए काउंटर की तलाश कर रहा था, तभी मैंने 4 काउंटरों के सामने कम से कम 60 लोगों की लाइन देखी, जिनमें से केवल 2 पर ही कर्मचारी थे। भीड़ को हटाने के लिए आसपास कोई कर्मचारी भी नहीं था। उन्होंने अपनी पोस्ट में उन लोगों के रवैये के बारे में भी लिखा जो लाइन में खड़े हुए थे। रेडिट यूजर ने लिखा, या तो वे लोग जोर-जोर से बाते कर रहे थे या खड़े-खड़े ही खाने लग गए। उन्होंने कहा, दिल्ली एयरपोर्ट मैनेजमेंट एक मजाक है। लोग को सार्वजनिक जगहों पर लाइन में खड़े होने के मैनर्स तक नहीं है। विदेशी ऐसी चीजें देखते हैं जो भारत के रूढ़िवादी होने की उनकी सोच को सही ठहराती हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, इतनी शर्म आ रही थी मुझे विदेशियों के सामने कि ऐसा है देश की राजधानी का एयरपोर्ट।

अपने ही जवान बेटे के लिए मौत मांग रही मां

नईदिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन स्थित राज अंपायर में रहने वाले 31 वर्षीय हरीश राणा की सांसें तो चल रहीं, लेकिन वह 2013 से बिस्तर पर हैं। क्वाड्रिप्लेजिया बीमारी से पीड़ित हरीश 100 प्रतिशत दिव्यांग हैं और उनका शरीर निष्क्रिय है। हरीश की मां निर्मला देवी ने बेटे को इच्छा मृत्यु के लिए हाईकोर्ट से गुहार लगाई, लेकिन 8 जुलाई को कोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दी।

पिता अशोक राणा ने बताया कि वर्ष 2013 में रक्षाबंधन के दिन बेटा पीजी की चौथी मंजिल से गिर गया था। बेटे के सिर में गंभीर चोट आई थी, लेकिन जब उसे देखा तो ऐसा बिल्कुल नहीं लगा था कि अब वह कभी उठ नहीं पाएगा। 11 साल से बेटे का इलाज कराने के साथ उनकी सेवा में लगे हैं। बेटे का इलाज पीजीआई चंडीगढ़, एम्स, आरएमएल, एलएनजेपी और अपोलो जैसे तमाम अस्पतालों में करा चुके हैं, लेकिन हरीश को कोई फायदा नहीं हुआ। अशोक राणा ने बताया कि दिल्ली महावीर एंक्लेव में उनका तीन मंजिला मकान था, जो सितंबर 2021 में बेच दिया। अब और इलाज कराने की आर्थिक क्षमता नहीं रही। उम्र ढल रही है। हमेशा बेटे के साथ नहीं रह सकते। बेटे के लिए मौत मांगना आसान नहीं है, लेकिन हर दिन उसकी मौत नहीं देख पाते। उनका कहना है कि अब वह सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाएंगे। जहां से उन्हें उम्मीद है कि जरूर मदद मिलेगी। सरकार उनके बेटे के इलाज एवं देखरेख की जिम्मेदारी ले या वह चाहते हैं कि उनके बेटे को इच्छा मृत्यु दी जाए। हरीश के शरीर के जो अंग काम कर रहे हैं उनको दान कर दूसरों को नया जीवन दिया जाए।

वेट लिफ्टिंग के फाइनल में हिस्सा लेने वाले थे हरीश: हरीश वर्ष 2013 में चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में सिविल इंजीनियरिंग से बीटेक में अंतिम वर्ष के छात्र थे। जिस दिन दुर्घटना हुई उसके अगले ही दिन वह पंजाब विश्वविद्यालय में होने जा रही वेट लिफ्टिंग की फाइनल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले थे।

मौत से पहले मिला जॉब ऑफर लेटर बना ज्यादा मुआवजे का आधार

दिल्ली की कोर्ट ने मृतक के मां-बाप के हक में सुनाया फैसला

नईदिल्ली, एजेंसी। सड़क दुर्घटना में 32 वर्षीय युवक की मौत के मामले में अदालत ने बीमा कंपनी को दो करोड़ रुपये का मुआवजा ब्याज समेत पीड़ित परिवार को देने के आदेश दिए हैं। अहम बात यह है कि अदालत ने नौकरी के ऑफर लेटर में दर्ज सालाना आय को मुआवजे का आधार बनाया है। यह ऑफर लेटर मृतक युवक को हादसे से पहले मिला था।

दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट स्थित मोटर दुर्घटना दावा पंचाट के जज डॉ. पंकज शर्मा की अदालत ने एक करोड़ 98 लाख 89 हजार 920 रुपये का मुआवजा मृतक सिद्धार्थ शर्मा के माता-पिता को देने के आदेश दिए हैं। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि युवक उच्च शिक्षित था। वह एक ऐसी दुर्घटना का शिकार हुआ, जिसमें कथित तौर पर एक नाबालिग पर रफ्तार का नशा शामिल था। इस हादसे ने मृतक के माता-पिता के इकलौते आसरे को उनसे छीन लिया था।

अदालत ने यह भी माना कि युवक को मौत से पहले मिले नौकरी के ऑफर लेटर में सालाना 10 लाख रुपये का ऑफर मिला था। यदि वह इस नौकरी को जॉइन करता तो हर महीने 83 हजार रुपये से अधिक सैलरी पाता। साथ ही, अदालत ने भविष्य में उसकी बढ़ने वाली आय को भी अधिक मुआवजे का आधार बनाया है।

नाबालिग पर टक्कर मारने का आरोप: यह बहुचर्चित घटना 4 अप्रैल 2016 को शामनाथ मार्ग, सिविल लाइन इलाके में हुई थी। सिद्धार्थ शर्मा रात 8:50 बजे सड़क पार कर रहा था। इस दौरान तेज रफ्तार लग्जरी कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी थी, जिस कारण सिद्धार्थ 15 से 20 फुट ऊपर उछल गया था। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद सिद्धार्थ को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उसी रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना में इस्तेमाल हुई कार एक बड़े कारोबारी का नाबालिग बेटा चला रहा था। उस समय कार में छह लड़के और बैठे थे। ये सभी मौज-मस्ती के लिए घर से निकले थे। घटना के दौरान कार की रफ्तार काफी तेज थी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। राजधानी में इस तरह के मामले आए दिन देखने को मिलते हैं। इसमें कई लोगों की जान चली गई है। माता-पिता को चाहिए कि नाबालिग को वाहन चलाने की अनुमति नहीं दे।

भाई को न्याय दिलाने के लिए बहन ने लंबी लड़ाई लड़ी

सिद्धार्थ का परिवार मुंबई में रहता था। उसकी बहन शिल्पा की शादी दिल्ली में हुई थी। घटना के समय सिद्धार्थ के माता-पिता अपने मूल निवास हिमाचल प्रदेश में थे। हादसे की सूचना सबसे पहले सिद्धार्थ की बहन शिल्पा और उनके पति को मिली। शिल्पा के मुताबिक, जब उन्होंने पुलिस से इस दुर्घटना के लिए जिम्मेदार का नाम पूछा तो जवाब मिला कि कोई लड़का है, मिल नहीं रहा है। फिर कहा कि नाबालिग को गिरफ्तार नहीं कर सकते। पुलिस के इस व्यवहार के खिलाफ उन्होंने दिल्ली पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की। असली आरोपी को पकड़वाने के लिए बड़े अधिकारियों से कई बार मुलाकात करनी पड़ी। शुरुआत में कार मालिक के ड्राइवर ने खुद को आरोपी बताते हुए सरेंडर कर दिया, लेकिन मामला गैर इरादतन हत्या में दर्ज होने के बाद ड्राइवर ने सच कबूल लिया। उसने घटना के समय नाबालिग द्वारा कार चलाने की बात पुलिस के समक्ष कही। तब नाबालिग को जांच के दायरे मे आया। बहरहाल, यह मामला दिल्ली हाईकोर्ट में चल रहा है। शिल्पा बताती हैं कि उनके भाई की मौत के बाद दो बड़े कानून बदले गए। पहला नाबालिग का मामला घटना की गंभीरता के हिसाब से सत्र अदालत में चलाने को हरी झंडी मिली। दूसरा, नाबालिग द्वारा इस तरह की घटना करने पर परिजनों पर जिम्मेदारी डाली जाएगी।

हमले के बाद पहली बार सामने आए डोनाल्ड ट्रंप, दाहिने कान पर पट्टी बांधे पहुंचे रिपब्लिकन कन्वेंशन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हाल ही में चुनाव रैली के दौरान गोली लग गई थी। हमलावर ने चुनाव रैली के दौरान उन पर कई गोलियां चलाईं। इस हमले में वह जख्मी हो गए थे और उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में चोट आई। चोट लगने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराई। उनके दाहिने कान पर पट्टी बंधी हुई थी।

ट्रंप मैदान में आये और भीड़ ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। साथ ही ली ग्रीनवुड ने अपना गॉड ब्लेस द यू.एस.ए. गाया। ट्रम्प के दोनों जवान बेटे, एरिक ट्रम्प और डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर उनके पीछे बैठे थे और हाउस स्पीकर माइक जॉनसन, आर-ला, वेंस के बगल में बैठे थे।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में किया नामित

रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में डेलीगेट के वोट हासिल करने के बाद प्रतिनिधियों ने औपचारिक रूप से डोनाल्ड ट्रंप को पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किया है। बताया जा रहा है उन्होंने नामांकन के बाद वहां मौजूद भीड़ को संबोधित नहीं किया, वो मिलवाउकी में 18 जुलाई को आधिकारिक प्रत्याशी के तौर पर नामांकन को औपचारिक रूप से स्वीकार करेंगे और भाषण भी देंगे।

नेपाल में उफनती नदी में गिरीं दो बसों में सवार थे 65 लोग, अब तक 14 शव किए गए बरामद; मृतकों में भारतीय भी शामिल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में उफनती नदी में गिरीं दो बसों में कितने यात्रा सवार थे, इसकी जानकारी सामने आ गई है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इन बसों में 65 लोग सवाल थे, जिनमें से बचाव दल 14 शवों को बरामद कर चुका है। वहीं, आठ शवों की पहचान हो गई है और उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। बता दें कि मृतकों में 6 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं।

तीन लोगों ने बस से कूदकर बचाई अपनी जानः शुक्रवार सुबह काठमांडू से लगभग 120 किलोमीटर (75 मील) पश्चिम में सिमलताल के पास दो बसें बह गईं थी।शव त्रिशूली नदी में 100 किलोमीटर (60 मील) दूर तक

बह गए। चितवन जिला प्रशासन कार्यालय ने बस में सवार 65 लोगों के नाम और जानकारी के साथ एक सूची पब्लिश की। एक बस में 38 लोग और दूसरी में 27 लोग सवार थे। एक बस से बाहर निकलने के बाद तीन लोग बच गए।

लापता दो बसों का नहीं मिला अब तक कोई सुराग: पुलिस और सेना के सैकड़ों बचावकर्मियों ने मंगलवार को नदी और निचले इलाकों में खोजबीन की, लेकिन उन्हें अभी तक लापता दो बसों का कोई सुराग नहीं मिला है।

परमाणु हथियार वाला पहला इस्लामिक देश ब्रिटेन: जेडी वेंस

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर चुन लिया गया है। वहीं उनके कट्टर आलोचक रहे जेडी वेंस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया गया है। हाल ही में जेडी वेंस ने हमास के खिलाफ इजराइल के युद्ध पर ट्रंप की स्थिति का समर्थन किया है। बता दें कि एक बार चर्चा में जेडी वेंस ने परमाणु हथियार पाने वाले देश का जिक्र भी किया था। ट्रंप ने ओहायो के सीनेटर जेम्स डेविड वेंस (39) को रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना। वेंस 2022 में पहली बार ओहायो से सीनेटर चुने गए थे। बता दें कि 39 साल के जेडी साल 2016 में अपने संस्मरण हिलबिली एलेजी के पब्लिश होने के बाद चर्चा में आए थे। उन्हें साल 2022 में सीनेट के तौर पर चुना गया था, वेंस 2016 में ट्रंप के कट्टर आलोचक थे। हालांकि, अब वह ट्रंप के सबसे बड़े समर्थकों में से एक हैं।

परमाणु हथियार को लेकर वेंस ने की थी चर्चा: इस महीने की शुरुआत में वेंस परमाणु प्रसार के बारे में एक दोस्त के साथ बात कर रहे थे। वेंस ने कहा था, पहला सच्चा इस्लामी देश कौन सा है जिसे परमाणु हथियार मिलेगा? शायद यह ईरान है, शायद पाकिस्तान तो नहीं है वेंस ने आगे कहा, शायद यह वास्तव में ब्रिटेन है क्योंकि ब्रिटेन में लेबर ने हाल ही में सत्ता संभाली है। ब्रिटेन में हाल ही में हुए आम चुनावों में लेबर पार्टी की भारी जीत के बाद वाशिंगटन में एक सम्मेलन में यह टिप्पणी की गई। साथ ही सोमवार को मिल्वौकी रिपब्लिकन सम्मेलन में, जिसमें ट्रंप को आधिकारिक तौर पर नवंबर 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया था। इस दौरान ब्रिटेन के पूर्व प्रधान मंत्री लिज ट्रस को देखा गया था।

डोनाल्ड ट्रंप ने जेडी वेंस को चुना: रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने वेंस के लिए अपने समर्थन का समर्थन किया। डोनाल्ड ट्रंप ने उपराष्ट्रपति पद के लिए 39 साल के जेडी वेंस को अपने साथी के रूप में चुना। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट के जरिए वेंस की उम्मीदवारी की पुष्टि की।

कभी ट्रंप को बुलाया बेवकूफ-हिटलर, अब उन्हीं के साथ उपराष्ट्रपति पद की दौड़ में जेडी वैंस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में इसी साल नवंबर में होने वाले आम चुनाव में ओहियो के सीनेटर जेडी वैंस भी अपनी किस्मत आजमाएंगे। रिपब्लिकन नेता और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैंस को उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी चुना है। 39 वर्षीय वैंस की शादी भारतवंशी उषा चिलुकुरी वैंस से हुई है। उषा आंध्र प्रदेश की मूल निवासी हैं। 39 वर्षीय जेडी वैंस कभी ट्रंप के कटु आलोचक थे, लेकिन अब वे पूर्व राष्ट्रपति के कट्टर समर्थकों में से एक बन गए हैं। आइए इनके सियासी सफर पर एक नजर डालते हैं। करीब आठ साल पहले जब साल 2016 में राष्ट्रपति चुनाव हुआ था, उस समय जेडी वैंस ने डोनाल्ड ट्रंप की जमकर आलोचना की थी। उन्होंने सार्वजनिक रूप से रिपब्लिकन नेता को बेवकूफ बुलाया था। वहीं, उनकी तुलना एडॉल्फ हिटलर से कर दी थी। मगर आज समय का फेर देखिए, जो शख्स डोनाल्ड ट्रंप की बुराई करते नहीं थक रहा था, वो आज उनके रनिंग मेट यानी उपराष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल है। अब वैंस ट्रंप के सबसे बड़े समर्थकों में से एक बन चुके हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने सोमवार को उन्हें अपना उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने के लिए चुना।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।